www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 28 सितम्बर 2026
वर्ष: 17
अंक: 139 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

आज मीनाक्षी अम्मन मंदिर जाएंगे थलपति विजय

पूजा-अर्चना के लिए घोषणा-पत्र पर करने पड़ सकते हैं हस्ताक्षर

मदुरै (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय के पद संभालने के बाद अपनी पहली यात्रा के दौरान कल 28 सितंबर को मीनाक्षी अम्मन मंदिर में पूजा-अर्चना करने की संभावना है। मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि मंदिर के गर्भगृह में जाने से पहले उन्हें हिंदू धर्म में अपनी आस्था की पुष्टि करते हुए एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा जा सकता है। मंदिर जाने का कार्यक्रम शाम 4 बजे

का है, जब वे सरकारी राजाजी अस्पताल में नवजात शिशुओं के लिए एक योजना शुरू करेंगे और नए रूप में तैयार गांधी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। हालांकि, पुलिस ने कहा कि अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम में केवल अस्पताल और संग्रहालय के कार्यक्रम ही शामिल हैं और मंदिर जाने का फैसला विजय पर निर्भर करेगा।

गर्भगृह में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश की अनुमति- मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि देवी और भगवान सुंदरेश्वर के गर्भगृह में केवल हिंदुओं को ही प्रवेश की अनुमति है। उन्होंने मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच के उस फैसले का हवाला दिया, जिसमें गैर-हिंदुओं को घोषणा पत्र देने के बाद पूजा करने की अनुमति दी गई है।

छात्रा से रेप का आरोप, यूनिवर्सिटी में लगा दी आग

पंजाब की एलपीयू यूनिवर्सिटी में छात्रों ने मचाया बवाल

फगवाड़ा/जालंधर (एजेंसी)। पंजाब की फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में शनिवार रात शुरू हुआ हंगामा रविवार को भी जारी है। छात्रों का आरोप है कि यूनिवर्सिटी की एक छात्रा से रेप हुआ, जिसके बाद उसने आत्महत्या कर ली। सोशल मीडिया पर यह मैसेज शनिवार रात वायरल होने के बाद हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए। छात्रों ने कैंपस में तोड़फोड़ की और एक हिस्से में आग लगा

दी। इसके बाद दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे पर धरना देकर ट्रैफिक जाम कर दिया। पुलिस ने पहले कहा कि जांच में रेप का कोई मामला सामने नहीं आया है। मामला बढ़ता देख एफआईआर की गई। डीजीपी नवीन सिंगला ने कहा कि एफआईआर दर्ज करने के अलावा जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है, जिसमें 5 सदस्य स्टूडेंट्स हैं। इसके बावजूद स्टूडेंट्स धरना दे रहे हैं। वे आरोपी की गिरफ्तारी समेत अपनी 5 मांगें पूरी कराने पर अड़े हुए हैं। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने रेप के आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

मणिपुर में संकट बरकरार, नहीं थम रही है जातीय हिंसा

सेनापति जिले में दो नगा युवकों की गोली मारकर हत्या, दो अन्य घायल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में जातीय हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के सेनापति जिले के कालेन्जांग गांव में शनिवार दोपहर अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दो नगा युवकों की हत्या कर दी, जबकि इस हिंसक घटना में दो

अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पिछले कुछ महीनों से नगा और कुकू समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष में यह एक और खूनी अध्याय जुड़ गया है। फरवरी से शुरू हुए इस आपसी संघर्ष में अब तक 40 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। यह गोलीबारी शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे सेनापति पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले इलाके में हुई।

सर्जिकल स्ट्राइक ने दुनिया को दिखाई भारत की नीति

पीएम बोले-आतंकियों को छोड़ेंगे नहीं, देंगे करारा जवाब

मोदी ने मन की बात में ऑपरेशन सिंदूर का किया जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को मन की बात के 138वें एपिसोड में कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। आतंकवादी अगर भारत की तरफ आंख उठाकर देखेंगे, तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। मोदी ने कहा कि 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने वाले हैं। भारतीय सेना ने एलओसी पार कर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। भारतीय जवानों की इस कार्रवाई को देखकर दुनिया हैरान रह गई थी। प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयरस्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक

का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने बार-बार साफ संदेश दिया है कि आतंकवाद का मजबूत और निर्णायक जवाब दिया जाएगा।

जनगणना को बताया राष्ट्रीय दायित्व

पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना हम सबका राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने लोगों से अपनी और परिवार की जानकारी खुद ऑनलाइन दर्ज करने की अपील की। मोबाइल से यह प्रक्रिया आसानी से पूरी की जा सकती है। मोदी ने बताया कि जनगणना का पहला चरण सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग पूरा हो चुका है। 32 करोड़ से ज्यादा परिवारों का डेटा भी दर्ज किया जा चुका है। पीएम मोदी ने 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी ने जीवन के कई मंत्र दिए, जिनमें स्वच्छता भी शामिल है। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्वच्छता से जुड़े फोटो, वीडियो और रील्स का भी जिक्र किया और कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से पूरा समाज जुड़ रहा है।

सोनाई रूपाई में फिर लौटे हाथी

असम के सोनाई रूपाई वन्यजीव अभयारण्य का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यहां कभी हाथी रहते थे, लेकिन जंगल की जमीन पर इंसानी दखल बढ़ने से वे दूर चले गए थे। करीब तीन साल पहले अतिक्रमण हटाए जाने के बाद हाथी फिर इस इलाके में लौट आए हैं और अब उनके झुंड दिखाई दे रहे हैं। पीएम मोदी ने 28-29 सितंबर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उरी में सेना के कैंप पर आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने एलओसी पार कर आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। मोदी ने इसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक कार्रवाई और नई नीति का उदाहरण बताया।

स्वच्छता को गांधी जी के जीवन-मंत्र से जोड़ा- पीएम मोदी ने 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती का जिक्र करते हुए कहा कि बापू ने जीवन के कई मंत्र दिए, जिनमें स्वच्छता भी शामिल है। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्वच्छता से जुड़े फोटो, वीडियो और रील्स का भी जिक्र किया।

यूपी में 70 घंटे से आंधी-बारिश, बिहार में 500 घर डूबे

उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए बारिश बनी जी का जंजाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के सभी जिलों में कल से भारी बारिश हो रही है। ऋषिकेश में गंगा वॉर्निंग लेवल के पार पहुंच गई है और घाटों पर जाने पर रोक लगा दी गई है। वहीं, रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड हुई है। इससे करीब 4 हजार श्रद्धालु फंस गए हैं। खराब मौसम को देखते हुए आज केदारनाथ यात्रा पर रोक लगा दी गई और हेली सेवाएं भी बंद हैं। वहीं, देहरादून, टिहरी, हरिद्वार और पौड़ी में रेड अलर्ट, उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल और रुद्रप्रयाग में ऑरेंज अलर्ट, जबकि बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत, ऊधम सिंह नगर और पिथौरागढ़ में यलो अलर्ट है। यूपी के लखनऊ, कानपुर, उन्नाव, बाराबंकी, अयोध्या और जौनपुर समेत 45 शहरों में 70 घंटे से बारिश हो रही है।

उत्तराखंड में गंगा खतरे के निशान के ऊपर, लोगों में छाया डर

पिथौरागढ़-नैनीताल में हाईवे पर गिर रहे बोल्डर- उत्तराखंड में गंगा वॉर्निंग लेवल के पार पहुंच गई है और घाटों पर जाने पर रोक लगा दी गई है। चारधाम बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई है। वहीं, रुद्रप्रयाग में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर सिरोबगड़ के पास लैंडस्लाइड हुई है। यात्रा मार्ग पर करीब 4 हजार श्रद्धालु फंसे हैं। पहाड़ी से लगातार लैंडस्लाइड होने के कारण मार्ग खोलने में दिक्कत आ रही है। खराब मौसम को देखते हुए केदारनाथ यात्रा पर रोक लगाई गई है।

यूपी में पंप से निकाल रहे एक्सप्रेसवे पर भरा पानी

यूपी में बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। करीब 70 घंटे तक हुई बारिश से शहर से लेकर गांव तक पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे पर सोनिक टोल प्लाजा के पास 2-3 फीट जलभराव हो गया। पंप की मदद से पानी को एक्सप्रेसवे से बाहर निकाला जा रहा है। लखनऊ में इकाना स्टेडियम के पास सड़क धंस गई। चौराहों पर पानी भर गया। बख्शी का तालाब इलाके में खेत जलमग्न हो गए। फसलें गिरकर डूब गई। आंधी-बारिश से प्रदेश में 2 दिन में 62 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल बारिश थमी है, लेकिन आसमान में काले बादल छाए हैं।

रूस का यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन

जर्मनी-जापान का किया विरोध, बदले की भावना का लगाया आरोप

मास्को (एजेंसी)। रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि सुरक्षा परिषद में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। हम ब्राजील और भारत की स्थायी सदस्यता की उम्मीदवारी का समर्थन करते हैं। लावरोव ने सुरक्षा परिषद में पश्चिमी देशों की अतिरिक्त सीटों का विरोध किया। उन्होंने खासतौर पर जर्मनी और जापान का नाम लेते हुए उन पर सैन्यवाद और बदले की भावना की ओर बढ़ने का आरोप लगाया। लावरोव ने साथ ही कहा कि यूएनएससी में सुधार के दौरान मौजूदा स्थायी सदस्यों के अधिकारों और शक्तियों में कमी नहीं होनी चाहिए। **भारत की स्थायी सदस्यता की मांग 1990 से जारी-** भारत की यूएनएससी में स्थायी सदस्यता की मांग 1990 के दशक से उठती रही है। 2008 से सुरक्षा परिषद सुधार पर औपचारिक बातचीत शुरू हुई।

भारत छठी परमानेंट सीट का सबसे मजबूत दावेदार- दुनिया की 17 फीसदी आबादी भारत में रहती है। 142 करोड़ जनसंख्या के साथ भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है। यूएनएससी में इतनी बड़ी आबादी का रिप्रेजेंटेशन होना जरूरी है। पिछले एक दशक में भारत की औसतन सालाना विकास दर 7 फीसदी से ज्यादा रही है। यह चीन के बाद किसी भी दूसरे बड़े देश की तुलना में सबसे ज्यादा है। इस आर्थिक ताकत को यूएनएससी में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत परमाणु शक्ति संपन्न है देश है।

तिरहुत में अपनों ने ही छेड़ी जन सुराज के विरुद्ध जंग

'घर के चिराग' से पीके के अरमान होंगे स्वाहा!

पटना (एजेंसी)। एक बड़ा ही मशहूर शेर है, दिल के फफोले जल उठे सीने के दाग से, इस घर को आग लग गई घर के चिराग से। बहुत कुछ ऐसी ही कहानी तिरहुत स्नातक क्षेत्र में जन सुराज के साथ घट रही है। प्रशांत किशोर को अब अपना घर संभालना मुश्किल होते जा रहा है। तिरहुत स्नातक क्षेत्र के लिए अभी नामांकन भी नहीं हुआ है जनसुराज के आपसी विरोध सतह पर तांडव करने लगे हैं। हुआ यह कि जो अब तक जो संभावित उम्मीदवार जनसुराज से स्नातक क्षेत्र के विकास की रूप रेखा और वोटों का पहाड़ खड़ा कर रहा था वह अचानक दावेदारी से ही किनारा कर दिया। जन सुराज ने तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अपने उम्मीदवार प्रो विमोहन के नाम की घोषणा क्या की पार्टी विद्रोह की अग्नि से तपने लगी। विरोध का यह झंडा पार्टी के ही चर्चित नेता संजय झा ने ही बुलंद कर दिया। वह भी कई तरह के आरोप लगाते। उन्होंने जन सुराज नेतृत्व खास कर प्रशांत किशोर पर ही हमला बोल दिया। उन्होंने विरोध का मुहावरा गढ़ते साफ कहा कि मेरे साथ विश्वासघात किया गया। मेरे पीठ में खंजर घोंपा गया। जबकि लंबे समय से जन सुराज के लिए काम कर रहा था।

तिरहुत स्नातक का चुनावी गणित

तिरहुत स्नातक क्षेत्र में चार जिले यानी मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर के वोटर मिलकर जीत तय करते है। इसमें कुल 146 मतदान केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र के चुनावी गणित में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 1.45 लाख है। तिरहुत स्नातक क्षेत्र के त्रिकोणात्मक संघर्ष को एक और कोण जन सुराज बागी उम्मीदवार संजय झा ने बना दिया। इसके पहले ही तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित जदयू के उम्मीदवार अभिषेक झा और राष्ट्रीय जनता दल के डॉ. रश्मि विनायक गौतम और तिरहुत स्नातक क्षेत्र से गत वर्ष जीत हासिल किए वंशीधर ब्रजवासी पहले ही इस चुनावी जंग को त्रिकोणात्मक की राह उतार चुके थे।

शाह ने देश की पहली एलएनजी ट्रेन को दिखाई हरी-झंडी

बड़ी उपलब्धि, टैंक फुल होने पर 2200 किमी तक चलेगी एलएनजी और डीजल के बीच स्विच कर सकेगा इसका इंजन

अहमदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात में 1,542 करोड़ रुपए से अधिक की रेल परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने भारत की पहली एलएनजी से चलने वाली ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2015-16 में रेलवे ने 293 करोड़ लीटर डीजल की खपत की।

2,000 किमी से ज्यादा का फील्ड ट्रायल रहा सफल

इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 1400 डब्ल्यूएजी क्षमता वाले दो ड्राइविंग पावर कार को एलएनजी ड्यूल-फ्यूल प्रणाली में ट्रांसफॉर्म किया गया है। ट्रेन का 2,000 किलोमीटर से अधिक का सफल फील्ड ट्रायल पूरा किया जा चुका है। गुजरात के मेहसाणा और साबरमती के बीच करीब 8 महीनों तक ट्रेन का ट्रायल हुआ। आने वाले समय में 8 से 10 और ट्रेनों में एलएनजी तकनीक को अपनाने की योजना है। अहमदाबाद के डीआरएम वेद प्रकाश ने बताया कि एलएनजी डीजल से सस्ता होने के कारण ट्रेन चलाने की कुल लागत कम हो जाती है। एलएनजी ईंधन से प्रदूषण में भी भारी कमी आएगी। इससे कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और धूल के कण जैसे हानिकारक तत्व कम मात्रा में उत्पन्न होंगे।

700 करोड़ की लागत से नया लोकोमोटिव शेड

साबरमती में करीब 700 करोड़ रुपए की लागत से डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव मेंटेनेंस शेड बनाया गया है। यहां करीब 12,000 एचपी क्षमता वाले 300 डब्ल्यूएजी-12 इलेक्ट्रिक मालगाड़ी इंजनों के रखरखाव की सुविधा होगी। ये इंजन भारी और लंबी मालगाड़ियों को चलाने के लिए तैयार किए गए हैं। करीब 313.27 करोड़ रुपये की लागत से साबरमती-सारखेज रेल लाइन के 21 किलोमीटर हिस्से को डबल करने का काम भी किया जाएगा। इसे मार्च 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। परियोजना में साबरमती, गांधीग्राम, वस्त्रापुर और सारखेज स्टेशनों के साथ पुलों और रोड अंडरपास से जुड़े काम भी शामिल हैं।

राहुल और तेजस्वी आरोप लगाते हैं, सबूत नहीं देते

सम्राट चौधरी बोले-राबड़ी देवी के समय भी एसआईआर हुआ था

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राहुल गांधी, तेजस्वी यादव सहित विपक्ष के नेताओं के आरोपों पर पलटवार किया। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया पर सवाल उठाने वालों को आरोपों के साथ सबूत के तौर पर तथ्य, दस्तावेज भी सामने रखने चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है। 2003 में भी

मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किया गया था। उस समय बिहार में राबड़ी देवी की सरकार थी। बिहार में 2025 में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया पूरी की गई। इससे पहले 2003 में भी एसआईआर हुआ था।

संपादकीय

फिर मानसून जैसी चुनौती सामने

उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश से जहां ठंड का एहसास होने लगा है वहीं दूसरी ओर एक बार फिर पहाड़ की संवेदनशीलता और व्यवस्था की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। भारी बरसात के कारण चार धाम यात्रा को भीस्थगित करना पड़ा है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में भूस्खलन, सड़क धंसने, पुल क्षतिग्रस्त होने और नदी–नालों के उफान पर आने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कई ग्रामीण क्षेत्रों मैं बरसात के कारण परेशानी उत्पन्न होने लगी है, जबकि शहरों में जलभराव और यातायात बाधित होने से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। हर साल मानसून के दौरान ऐसे हालात पैदा होते हैं, लेकिन सवाल यह है कि आखिर इससे सबक कब लिया जाएगा? उत्तराखंड आपदाओं के प्रति संवेदनशील राज्य है। यह तथ्य नया नहीं है। वैज्ञानिक, पर्यावरणविद और विशेषज्ञ वर्षों से चेतावनी देते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र में विकास कार्यों के दौरान विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इसके बावजूद अनेक स्थानों पर निर्माण कार्यों में प्रकृति की सीमाओं की अनदेखी की गई। नदियों के किनारे अतिक्रमण, पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई और जल निकासी व्यवस्था की उपेक्षा ने हालात को और गंभीर बनाया है।दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हर आपदा के बाद समीक्षा बैठकों, उच्चस्तरीय निर्देशों और बड़े–बड़े दावों का दौर चलता है, लेकिन अधिकांश वादे फाइलों में ही सिमट जाते हैं। जिन स्थानों पर हर वर्ष भूस्खलन होता है, वहां स्थायी उपचार के बजाय अस्थायी मरम्मत को ही समाधान मान लिया जाता है। परिणामस्वरूप पहली तेज बारिश के साथ वही समस्याएं फिर सामने खड़ी हो जाती हैं। हालांकि प्रशासन और आपदा प्रबंधन तंत्र राहत एवं बचाव कार्यों में सक्रिय दिखाई देता है, लेकिन आपदा प्रबंधन का वास्तविक उद्देश्य केवल संकट आने के बाद राहत पहुंचाना नहीं, बल्कि संकट को न्यूनतम करना भी है। यदि संवेदनशील क्षेत्रों का वैज्ञानिक अध्ययन, समय पर सुरक्षात्मक कार्य और मजबूत आधारभूत ढांचा विकसित किया जाए तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।इस चुनौती को केवल सरकारी नजरिये से नहीं देखा जा सकता। समाज को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। पहाड़ की प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम अंततः पूरे समाज को भुगतना पड़ता है। विकास आवश्यक है, लेकिन ऐसा विकास जो प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं बल्कि सामंजस्य स्थापित करे। लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर चेतावनी दी है कि उत्तराखंड को पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर आपदा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की नई नीति अपनानी होगी। अन्यथा- हर मानसून के साथ सड़कें टूटेंगी, पहाड़ दरकेंगे, जनजीवन अस्त–व्यस्त होगा और व्यवस्था केवल राहत कार्यों तक सीमित रह जाएगी।

कितना जायज हैं चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस के सवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

आम जन की समस्याओं से विमुख विपक्ष इस बार चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मुखर हो उठा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एसआईआर प्रक्रिया को संस्थागत चोरी करार देते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आयोग गरीबों के वोट काटने के लिए सत्ता पक्ष के साथ खुलकर मिला हुआ है।इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने देश के अलग-अलग हिस्सों और राज्यों में चुनाव आयोग के दफ्तरों के बाहर देशव्यापी प्रदर्शन व विरोध-प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

उधर चुनाव आयोग ने अपने ऊपर लगे इन तमाम आरोपों और आंतरिक कलह की खबरों को खारिज किया है। आयोग का कहना है कि प्रशासनिक बैठकों में अलग-अलग नोट्स और सुझाव दर्ज होना एक सामान्य और नियमित प्रक्रिया है। आयोग के अनुसार, एसआईआर और अन्य सभी चुनावी फैसले पूरी सहमति व कानूनी प्रावधानों के तहत ही लिए गए हैं।

आपको बता दें कि हाल ही में एक अंग्रेजी दैनिक की खबर में दावा किया गया था कि निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने देशभर में मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान नाम जोड़े और हटाए जाने समेत कई मुद्दों पर आपत्तियां जताई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, संधू और जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार लिखित रूप से आपत्तियां दर्ज कीं। इनमें से चार आपत्तियां एक ही दिन में उन फैसलों और आदेशों को लेकर दर्ज की गईं, जिनकी जानकारी उन्हें नहीं थी। विवाद के बीच, निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा, आयोग के सभी आधिकारिक आदेश, निर्णय पूर्ण कानूनी मान्यता प्राप्त हैं। किसी भी संस्थान में अलग-अलग विचार और टिप्पणियां विचार-विमर्श का सामान्य हिस्सा हैं। तीनों आयुक्त ही नहीं, बल्कि आयोग का प्रत्येक अधिकारी चुनाव प्रणाली में सुधार के लिए अपने सुझाव देने के लिए पूरी तरह अधिकृत है।

यहां गौरतलब है कि मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर के तहत अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। इसकी शुरूआत जून 2025 में बिहार से हुई थी। इस दौरान चुनाव आयोग ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव भी कराए जिनमें बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल शामिल हैं। असम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता सूचियों का एसआईआर नहीं कराया गया। एसआईआर को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है।

एसआईआर को सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती दी गई है।

आपको पता रहे कि कांग्रेस ने इस विवाद को ज्ञानेशगेट करार दिया जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के विभिन्न धड़ों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के महाभियोग और एसआईआर से पहले मौजूद मतदाता सूची के आधार पर पश्चिम बंगाल में नए विधानसभा चुनाव कराने की मांग की। सत्तारूढ़ भाजपा ने चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों को कमतर बताते हुए इसे शुद्ध लोकतंत्र का प्रतिबिंब बताया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि भाजपा, आरएसएस और चुनाव आयोग ने वोट चोरी कर देशद्रोह किया है और न्याय होकर रहेगा। गांधी ने कहा कि वोट चोरी भारतीय जनता के खिलाफ अपराध और हमारे संविधान पर सीधा हमला है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सवाल किया कि क्या राज्यसभा के सभापति अब 24 अप्रैल को 73 विपक्षी सांसदों द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर दिए गए नोटिस पर फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र को अभी तक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित नहीं किया गया है।

इधर इस मुद्दे पर भाजपा का भी वर्जन आया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा है कि आधिकारिक विचार-विमर्श के दौरान चुनाव आयुक्तों द्वारा अलग-अलग मत व्यक्त किए जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट शुद्ध लोकतंत्र को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयुक्त आपस में संवाद और विचारों का आदान प्रदान नहीं करते तो विपक्षी दल उन पर सरकार की हां में हां मिलाने का आरोप लगाते। निर्वाचन आयोग के कामकाज को नियंत्रित करने वाला कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि उसके फैसले सर्वसम्मति से या बहुमत से होने चाहिएं। टीएन शेषन मामले (1995) में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सामूहिक निर्णय लेने की व्यवस्था का समर्थन किया था। अदालत ने स्पष्ट किया था कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त न तो सम्राट हैं और न ही अन्य निर्वाचन आयुक्तों से ऊपर कोई प्राधिकारी। वह आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, लेकिन सभी सदस्यों के पास निर्णय लेने के समान अधिकार होते हैं।

चुनाव आयुक्तों में असहमति को लेकर इतना हंगामा लोकतांत्रिक दृष्टि से ठीक नहीं, क्योंकि लोकतंत्र में असहमति का विशेष महत्व है। संसद में सांसद एक-दूसरे के विचारों से असहमत होते हैं। इसी तरह विधानसभाओं और नगर निगमों से लेकर पंचायतों तक में विभिन्न मुद्दों पर हर माननीय की अपनी राय होती है। देश के सर्वोच्च न्यायालय में माननीय न्यायधीशों की अपनी अलग-अलग राय होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त से संबंधित कानून को लेकर दो जजों की पीठ में मतभेद का समाचार सुर्खियों में है। राजनीतिक दलों में विचारों को लेकर मतभेद के समाचार तो आये दिन समाचार पत्रों की सुर्खियां बनते हैं, इसके बाद जब निर्णय बहुमत से या सर्वसम्मति से लिया जाता है तो असहमति वाला पक्ष पर्दे के पीछे चला जाता है।

चुनाव आयुक्तों में असहमति एक स्वाभाविक व लोकतांत्रिक बात है। कानून की दृष्टि से भी हर आयुक्त को अपने विचार प्रकट करने का अधिकार है, लेकिन फैसला बहुमत या सर्वसम्मति से जो होता है वही मान्य होता है। चुनाव आयुक्तों के आपसी मतभेद तब तक ही महत्व रखते हैं जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता है। निर्णय चाहे बहुमत से आये या सर्वसम्मति से मान्य तो वो ही होगा। विरोध के लिए विरोध लोकतंत्र के हित में नहीं।

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

प्रहलाद सबनानी

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक - जेफ्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 GW हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं।

भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनीयरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 GW की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 GW की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है।

एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्स्टायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ओफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ओफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आरटीफिशीयल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है।

बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी ट्रूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं।

पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रैन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह जैसी अति पवित्र संस्था को पश्चिमी देशों ने केवल मौज मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है। साथ ही, पश्चिमी दर्शन में पुनर्जन्म में विश्वास नहीं किया जाता है, जो कुछ भी भोगना है केवल इसी जन्म में सम्पन्न करना है। अतः इन देशों में अपनी पीढ़ी को आगे बढ़ाने के लिए बच्चे पैदा करना आवश्यक नहीं समझा जा रहा है। इन देशों में समाज की जीवन शैली ही इस प्रकार की बन गई है कि केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित करें एवं अपनी काया को किसी प्रकार का कष्ट नहीं होना चाहिए, परिवार पर एवं समाज पर किसी नागरिक का ध्यान बहुत कम है। पश्चिमी देशों में नागरिक, 'मैं और केवल मैं' किस प्रकार अधिक से अधिक सुखी रह सकता हूं, इस विषय पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। यह विशेषताएं पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत मुखर रूप से उभर का सामने आती है। बच्चे पैदा करने का निर्णय भी बचत एवं खर्च की दृष्टि को सामने रखकर लिया जा रहा है। चूंकि मैं अपने बच्चे पर होने वाले खर्च को वहन नहीं कर सकता हूं अतः मुझे बच्चे पैदा ही नहीं करना है। पश्चिमी देशों में सामान्य परिवार चलाने की लागतें बढ़ती जा रही है अतः परिवार में 'डबल इनकम नो किड्ज' (डिंक) का विचार भी जोर पकड़ता जा रहा है। इन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद पर आधारित आर्थिक नीतियों ने नागरिकों को दिमागी तौर पर दिवालिया बना दिया है। इन देशों में नागरिकों का पूरा ध्यान केवल भौतिकवादी विकास पर ही केंद्रित हो गया है। परिवार एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास समाप्त सा हो गया है। आज पश्चिमी देशों के नागरिक, विशेष रूप से प्रौढ़ नागरिक, जीवन के अपने अंतिम पलों को सहज बनाने के उद्देश्य से भारत में शिफ्ट हो रहे हैं। भारत की अध्यात्म नगरी ऋषिकेश, हरिद्वार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड आदि स्थानों पर विकसित देशों के नागरिकों की जैसे बाढ़ सी आ गई है। कुछ देशों के नागरिक गोवा जैसे राज्यों में भी आकर बस रहे हैं। क्योंकि, भारत के इन स्थलों पर उन्हें मानसिक शांति प्राप्त हो रही है। पहिले तो ये विदेशी नागरिक योगा एवं आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत आते हैं परंतु यहां आने के उपरांत उन्हें जो आत्मिक शांति प्राप्त होती है, उसके चलते ये लोग भारत में ही बस जाते हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

भगत सिंह : शहादत की मिट्टी से महकता रहेगा वतन

योगेश कुमार गोयल

शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनके कुछ प्रेरणादायी विचारों का उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा। वह कहते थे, 'क्रांति मानव जाति का अपरिहार्य हक है और आजादी सभी का कभी न खत्म होने वाला जन्मसिद्ध अधिकार है। बम और पिस्तौल से क्रांति नही लाई जा सकती बल्कि क्रांति की तलवार विचारों से ही तेज होती है।

युवा चेतना के अमर प्रेरणापुंज भगत सिंह... भारत को ब्रिटिश शासन की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम में अनेक क्रांतिकारियों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया था। भारत के ऐसे ही सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक हैं शहीद-ए-आजम भगत सिंह, जो केवल 23 वर्ष की अल्पायु में ही भारत को आजाद कराने के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए थे। भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महान क्रांतिकारी थे, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और विचारधारा से देश की आजादी के आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने न केवल अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया बल्कि लोगों में स्वतंत्रता और समानता का संदेश भी फैलाया। बहुत कम उम्र में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले भगत सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गए। उनके बलिदान और साहस ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया। उन्होंने एक ओर जहां अपनी देशभक्ति से विदेशी हुकूमत को घुटनों पर लाने का काम किया, वहीं दूसरी ओर अपने क्रांतिकारी विचारों से स्वतंत्रता संघर्ष में अलग-अलग बंटे भारत को एक करने का महत्वपूर्ण कार्य भी किया। उनके प्रेरणादायी विचारों से पूरे भारत में स्वाधीनता की लहर और तेज हो गई थी।

28 सितंबर को शहीद भगत सिंह की 119वीं जयंती मनाई जा रही है। 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायपुर जिले में जन्मे भगत सिंह ने महज 11 वर्ष की आयु में ही स्वतंत्रता संग्राम में कूदने का निश्चय कर लिया था। दरअसल 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में सभा के दौरान जो नरसंहार हुआ था, उसका भगत सिंह के दिलोदिमाग पर इतना गहरा असर पड़ा था कि उन्होंने तभी ठान लिया था कि वे अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई लड़ेंगे। उसके बाद उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी और 'नौजवान भारत सभा' की स्थापना की और देश को आजादी दिलाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ खुलकर मोर्चा खोल दिया। फांसी के फंदे पर चढ़ने से पहले भगत सिंह ने नारा लगाया था 'इंकलाब जिंदाबाद', जो आज भी भारत में स्वतंत्रता और न्याय के लिए संघर्ष का प्रतीक है। इस नारे ने उनकी शहादत के बाद लोगों में क्रांतिकारी भावनाओं को जगाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। अपने अंतिम क्षणों में

भगत सिंह ने अपने साथियों को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अपने देश के लिए मरने के लिए तैयार हैं और उन्हें कोई पछतावा नहीं है। वह प्रायः एक शेर गुनगुनाया करते थेः-

जब से सुना है मरने का नाम जिंदगी है,
सर पे कफन लपेटे कातिल को ढूंढ़ते हैं।

भगत सिंह जब पांच साल के थे, तब एक दिन अपने पिता के साथ खेत में गए और वहां कुछ तिनके चुनकर जमीन में गाड़ने लगे। पिता ने उनसे पूछा कि यह क्या कर रहे हो तो मासूमियत से भगत सिंह ने जवाब दिया कि मैं खेत में बंदूकें बो रहा हूं। जब ये उगकर बहुत सारी बंदूकें बन जाएंगी, तब इनका उपयोग अंग्रेजों के खिलाफ करेंगे। भगत सिंह ने स्वतंत्रता सेनानी चन्द्रशेखर आजाद से अपनी पहली मुलाकात के समय ही जलती मोमबती की लौ पर हाथ रखकर कसम खाई थी कि उनका समस्त जीवन वतन पर ही कुर्बान होगा। भगत सिंह ने राजगुरु और सुखदेव के साथ मिलकर काकोरी कांड को अंजाम दिया। उसके बाद उन्होंने 17 दिसंबर 1928 को राजगुरु के साथ मिलकर चंद्रशेखर आजाद की मदद से लाहौर में सहायक पुलिस अधीक्षक रहे जेपी सांडर्स को मार डाला।

8 अप्रैल 1929 को भगत सिंह ने बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर अलीपुर रोड में मौजूद ब्रिटिश इंडिया की इमरजेंसी सेंट्रल असेंबली के सभागार में अंग्रेजी हुकूमत को जगाने के लिए बम और पर्चे फैंके और इसके जरिये आजादी की मांग की आवाज को हर देशवासी के कानों तक पहुंचा दिया। ब्रिटिश सरकार के खिलाफ बम विस्फोट में भाग लेने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन जेल में अंग्रेजी हुकूमत की प्रताड़ना झेलने के बाद भी भगत सिंह ने आजादी की मांग को जारी रखा। उनका आंदोलन जेल की सलाखों के पीछे भी जारी रहा और उन्होंने कई लेख लिखकर अपने क्रांतिकारी विचारों से समूचे देश के जनमानस को जगाया। वह हिंदी, पंजाबी, उर्दू, बांग्ला और अंग्रेजी के अच्छे जानकार थे, ऐसे में उन्होंने देशभर में आजादी की लड़ाई के लिए अपने संदेश पहुंचाने के प्रयास जारी रखे। अदालती कार्यवाही के दौरान जब कोर्ट में पत्रकार होते तो भगत सिंह आजादी की मांग को लेकर जोशीली बातें किया करते, जो प्रायः अगले दिन अखबारों के पहले पन्ने पर नजर आती, जिन्हें पढ़कर देश की आजादी के लिए हर नागरिक का खून खौल उठता। कैद की सजा के दौरान भगत सिंह के साथ ही उनके साथियों राजगुरु और सुखदेव को भी अदालत ने 7 अक्टूबर 1930 को फांसी की सजा सुनाई और फांसी के लिए 24 मार्च 1931 के दिन को चुना गया लेकिन देशवासियों के आक्रोश से डरकर अंग्रेजों द्वारा एक दिन पहले ही 23 मार्च 1931 को उन्हें गुपचुप तरीके से फांसी दे दी गई।

अपने 23 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में भगत सिंह ने वैचारिक क्रांति की ऐसी मशाल जलाई थी, जिससे आज के दौर में भी युवा काफी प्रभावित हैं। उनकी शहादत भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ थी और उनके बलिदान ने भारत के लोगों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। उनके जीने के तरीके और विचारों से आज भी प्रत्येक भारतीय प्रेरणा लेता है और खासकर देश के नौजवानों को तो उनका व्यक्तित्व सदैव प्रेरित करता रहेगा। छोटी सी उम्र में ही उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी और अपने क्रांतिकारी विचारों तथा आदर्शों से युवाओं को भी स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर उनके कुछ प्रेरणादायी विचारों का उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा। वह कहते थे, 'क्रांति मानव जाति का अपरिहार्य हक है और आजादी सभी का कभी न खत्म होने वाला जन्मसिद्ध अधिकार है। बम और पिस्तौल से क्रांति नही लाई जा सकती बल्कि क्रांति की तलवार विचारों से ही तेज होती है। किसी भी व्यक्ति को 'क्रांति' शब्द की व्याख्या शाब्दिक अर्थ में नहीं करनी चाहिए, जो लोग इसका दुरुपयोग करते हैं, वे अपने फायदे के हिसाब से इसे अलग अर्थ और मतलब दे देते हैं। कोई भी अत्याचारी साधारण व्यक्तियों को कुचलकर उनके विचारों को नहीं मार सकते। मैं दुनिया में न्याय और समानता देखना चाहता हूं। मैं भारत को एक स्वतंत्र और प्रगतिशील राष्ट्र बनाना चाहता हूं।' देशभक्ति, समानता और न्याय के लिए भगत सिंह देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। भारत माता के वीर सपूत और महान क्रांतिकारी भगत सिंह को शहीद हुए आज भले ही 95 वर्ष से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन भगत सिंह और उनके क्रांतिकारी विचार हम सभी के जेहन में आज भी जिंदा हैं और हमेशा रहेंगे।

लगातार हो रही वर्षा, चुनौती बना कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शनिवार से शुरु हुई बारिश रविवार को भी जारी रही। लगातार हो रही वर्षा के कारण कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का सफर चुनौती बन गया। जगह-जगह बोल्डर आने हाईवे पर यातायात रेंग-रेंगकर चलता रहा।

शनिवार को अचानक मौसम ने करवट बदल दी थी। लगातार हो रही बारिश रविवार को भी जारी रही। जगह-जगह जलभराव और कीचड़ होने से वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

गुमखाल-सतपुली के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी कीचड़ के कारण वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। वहीं, कोटद्वार-दुगड्डा के बीच हाईवे पर करीब 20 से अधिक डेंजर जोन पहले से ही वाहन चालकों के लिए चुनौती बने हुए हैं।

बारिश के दौरान इन स्थानों पर मलबा और बोल्डर गिरने से खतरा और बढ़ गया। कई स्थानों पर सड़क पर जमा कीचड़ के कारण दोपहिया वाहन रपटते नजर आए। दोपहर के समय राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप बहने वाले बरसाती गदेरे में अचानक पानी बढ़ने से भी दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ी। लगातार बारिश के चलते लोगों ने जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकलना मुनासिब समझा।

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य दुगड्डा के समीप पहाड़ी से गिरा मलबा

पर्यटकों के लिए बंद रही फूलों की घाटी

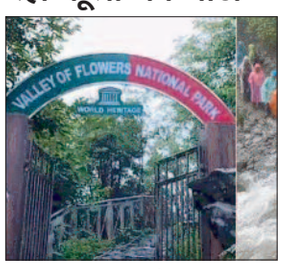

ज्योतिर्मठ। मौसम विज्ञान विभाग की ओर से बारिश, बिजली गिरने और बर्फबारी का अलर्ट जारी किए जाने के कारण रविवार को फूलों की घाटी पर्यटकों के लिए बंद रही। करीब 100 पर्यटक घांघरिया में घाटी खुलने का इंतजार कर रहे हैं। फूलों की घाटी पार्क के रेंज अधिकारी आशीष जिरवाण ने बताया कि मौसम की स्थिति को देखते हुए रविवार को घाटी में पर्यटकों की आवाजाही बंद रखी गई। मौसम सामान्य होने पर पर्यटकों के लिए घाटी को खोल दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी में पौड़ी की टीम तीसरे स्थान पर

आयोजित प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली पौड़ी की टीम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी-खेल महाकुंभ-2026 में पौड़ी गढ़वाल की अंडर-19 महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। हरिद्वार के रोशनाबाद स्थित वंदना कटारिया स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता में पौड़ी की टीम ने अपने अभियान की शुरुआत अल्मोड़ा के खिलाफ की और 6-0 से शानदार जीत दर्ज की।

क्वार्टर फाइनल में पौड़ी ने देहरादून को 1-0 से हराया। टीम की ओर से निकिता भट्ट ने निर्णायक गोल दागा। सेमीफाइनल में पौड़ी को टिहरी के हाथों दो गोल से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे स्थान के लिए पौड़ी और चंपावत के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। पेनल्टी शूटआउट में भी दोनों टीमों 3-3 से बराबरी पर रहीं। इसके बाद सडन डेथ में पौड़ी की पल्लवी ने निर्णायक गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। हॉकी कोच तेजेंद्र रावत ने बताया कि प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए पौड़ी की टीम को सम्मानित भी किया गया।

गुरु वंदन छात्र अभिनंदन में 27 मेधावी छात्र सम्मानित

कोटद्वार में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान सम्मानित छात्राएं।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भारत विकास परिषद की ओर से ग्रास्टनगंज स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान विद्यालय के 27 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत विकास परिषद के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल और विद्यालय के प्रधानाचार्य उमाकांत कुकरेती ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। परिषद अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि भारत विकास परिषद 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' के ध्येय वाक्य के साथ राष्ट्र के चहुंमुखी विकास के लिए कार्य कर रहा है। संगठन का उद्देश्य देश के विकास के साथ भारतीय संस्कृति, संस्कार और परंपराओं को भी जीवंत बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भौतिकवादी दौर में हम अपने गुरुजनों के योगदान और उनके प्रति कृतज्ञता को कहीं न कहीं भूलते जा रहे हैं। गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम गुरुजनों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। आज सम्मानित किए जा रहे मेधावी छात्र-छात्राएं आने वाले समय में अपनी प्रतिभा के माध्यम से देश और समाज का नाम रोशन करेंगे। ऐसे विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना समाज की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर रश्मि रावत, मीनाक्षी शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, राजदीप माहेश्वरी, कैलाश चंद्र अग्रवाल और बीना मित्तल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अतिक्रमण के नाम पर बेघर न किए जाएं परिवार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः इंद्रानगर-आमपड़ाव क्षेत्र में अतिक्रमण के नाम पर भवनों को चिह्नित किए जाने के मामले में स्थानीय निवासियों ने परिवारों को बेघर न करने की मांग उठाई है। क्षेत्र निवासी नितिन अग्रवाल ने इस संबंध में गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी को ज्ञापन सौंपकर मामले में मानवीय और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए समाधान की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया कि क्षेत्र में सैकड़ों परिवार कई दशकों से निवास कर रहे हैं। इनमें से कई परिवारों ने अपनी जीवनभर की कमाई और मेहनत की पूंजी लगाकर भवनों का निर्माण कराया है। ऐसे में अतिक्रमण के नाम पर अचानक भवनों को हटाने की कार्रवाई से परिवारों के सामने आवास और आजीविका से जुड़ी गंभीर समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। स्थानीय निवासी नितिन अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्र में रहने वाले अधिकांश परिवार मेहनत-मजदूरी और छोटे-मोटे काम कर अपने परिवारों का भरण-पोषण करते हैं। भवनों से बेदखली की स्थिति में इन परिवारों के सामने आर्थिक और सामाजिक संकट उत्पन्न हो सकता है।

सांसद अनिल बलूनी को ज्ञापन देते नितिन अग्रवाल

उन्होंने सांसद से मांग की कि मामले की पूरी स्थिति को देखते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर ऐसा समाधान निकाला जाए, जिससे लंबे समय से क्षेत्र में रह रहे परिवार प्रभावित न हों। सांसद अनिल बलूनी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित उच्चाधिकारियों से वार्ता कर उचित समाधान की दिशा में प्रयास करने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त समाचार

बुग्यालों से लौटते ही भेड़-बकरियों में बुखार

पुरोला। मोरी विकासखंड के सीमांत गांव लिवाड़ी में बुग्यालों से लौटने के बाद भेड़-बकरियों में बुखार के लक्षण सामने आने से पशुपालकों की चिंता बढ़ गई है। सूचना मिलने पर पशुपालन विभाग की टीम गांव पहुंची और प्रभावित पशुओं की जांच कर उपचार शुरू कर दिया है। वहीं, विभाग ने स्थिति पर नजर बनाए रखने की बात कही है।यमुना घाटी भेड़ पालक संघ के अध्यक्ष त्रेपन सिंह रावत ने बताया कि बुग्यालों से लौटने के बाद कई भेड़-बकरियों में अचानक बुखार के लक्षण दिखाई दिए। इसके बाद मामले की सूचना पशुपालन विभाग को दी गई। विभागीय टीम ने गांव पहुंचकर प्रभावित पशुओं का परीक्षण शुरू कर दिया है लेकिन कई पशु अभी भी बुखार से पीड़ित हैं।वहीं, ग्रामीण मोहन सिंह, चैन सिंह, नत्थी सिंह और क्षेत्र पंचायत सदस्य हरिमोहन ने बताया कि गांव में कई पशु बीमारी की चपेट में हैं। उन्होंने पशुओं में बुखार के कारणों की जांच कराने के साथ ही आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते बीमारी पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो अन्य पशु भी इसकी चपेट में आ सकते हैं और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मातृशक्ति के सम्मान के साथ आत्मनिर्भरता का लिया संकल्प

पुरोला। आराकोट-बंगाण क्षेत्र में मातृशक्ति आत्मनिर्भर स्वायत्त सहकारिता क्लस्टर स्तरीय फेडरेशन की वार्षिक बैठक आयोजित की गई। इसमें महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, स्वरोजगार से जोड़ने और सरकारी योजनाओं का लाभ क्षेत्र के अंतिम गांव तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। बैठक का शुभारंभ मनमोहन सिंह चौहान ने किया। उन्होंने कहा कि समाज के समग्र विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। फेडरेशन की अध्यक्ष परमेश्वरी रावत ने बताया कि आराकोट क्षेत्र के 22 गांवों में 18 स्वायत्त स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं। इस मौके पर आजीविका समन्वयक सुनील गैरोला, खंड मिशन प्रबंधक मुकेश रावत, कृषि एवं पशुपालन सहायक प्रसार अधिकारी मनोज रावत, शशिवाला नौटियाल, विकास राणा आदि मौजूद रहे।

कीचड़ भरे रास्ते से शिविर तक पहुंचे लोग

गोपेश्वर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर के सभागार में रविवार को आयोजित बहुउद्देश्यीय विधिक जागरूकता शिविर में पहुंचने के लिए छात्र-छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों और आम लोगों को कीचड़ भरे रास्ते से पैदल आवाजाही करनी पड़ी। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने वाला रास्ता कीचड़ में तब्दील हो गया था। इससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

निजी स्कूल में बच्चे की पिटाई का वीडियो वायरल

नारायणबगड़। ब्लॉक के सुदूरवर्ती गांव में एक निजी स्कूल में शिक्षक की ओर से छात्र की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियो का संज्ञान लेते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने जांच अधिकारी नियुक्त कर जल्द वीडियो की सच्चाई और जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं।

गढ़वाल क्षेत्र के विकास को हो रहे हर संभव प्रयासः बलूनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र में संचार व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 82 मोबाइल टावर स्वीकृत किए गए हैं। टावरों के स्थापित होने से रिखणीखाल विकासखंड मुख्यालय के साथ ही मंदालघाटी और आसपास के कई गांवों में नेटवर्क की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि गढ़वाल क्षेत्र के समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है।

रविवार को विकासखंड सभागार रिखणीखाल में आयोजित भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में सांसद अनिल बलूनी का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के 65 बूथों से जुड़े कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती में कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। सांसद ने बताया कि स्वीकृत मोबाइल टावर कांडानाला, कर्तिया, रैंदेड़ी, सिलगांव, कलीगाड़, चपड़ेत, बुधगांव, पैनलगांव,

आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद अनिल बलूनी

घेटुलगांव, ढिकोलिया, झुंडाई, बरई, बड़खेत, जुई, पुनौड़ी, चिलाऊं और लूंठिया समेत कई गांवों में लगाए जाएंगे। इससे इन क्षेत्रों में मोबाइल और संचार सुविधाओं में सुधार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों की सुविधा को देखते हुए धुमाकोट में जल्द सीएसडी कैंटीन शुरू की जाएगी। वहीं, रिखणीखाल क्षेत्र में ढाई करोड़ रुपये तक की लागत वाले विकास कार्यों के प्रस्ताव मिलने पर सांसद निधि से उन्हें पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। बलूनी ने कहा कि दिल्ली एम्स और ऋषिकेश एम्स में गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के मरीजों को आवश्यक सुविधाएं और सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने मैदावन-दुर्गादेवी-रामनगर वन मोटर मार्ग के संबंध में कहा कि संबंधित अनुमति मिलने के बाद मार्ग को जल्द खोलने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। विधायक महंत दिलीप सिंह रावत ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने सेवा, सुशासन और विकास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, मंडल महामंत्री दीप चंद्र, मंडल अध्यक्ष दिनेश ध्यानी, विपिन कैंथोला, नैनीडांडा ब्लॉक प्रमुख प्रकीर्ण नेगी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संजय गौड़, जिला पंचायत सदस्य पल्लवी अमोला, मोहन सिंह नेगी, विनोद जखमोला, गोविंद सिंह बिष्ट समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नंदासैंण पर्यावरण मेले की तैयारियां शुरू

नंदासैंण। मेला समिति के अध्यक्ष विनोद रावत की अध्यक्षता में पर्यावरण संवर्द्धन पर्यटन एवं विकास मेले की तैयारियों पर बैठक हुई। इसमें मेले की रूपरेखा और विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। साथ ही मेले को सुव्यवस्थित बनाने के लिए उपसमितियां गठित करते हुए अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। पदाधिकारियों और सदस्यों ने मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर विस्तार से बात की। विनोद रावत ने बताया कि मेले की अगली बैठक 11 अक्तूबर को होगी। बैठक में कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने सभी सदस्यों से अगली बैठक में उपस्थित रहने की अपील की। बैठक में मलेठी के ग्राम प्रधान राजेंद्र सिंह नेगी, रेवत सिंह नेगी, सूरज चौधरी, भरत सिंह रावत उपस्थित थे।

बाबा जसवंत सिंह रावत के पैतृक घर को बनाएंगे संग्रहालय

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः सांसद अनिल बलूनी ने घोषणा की है कि 1962 युद्ध के अमर बलिदानी बाबा जसवंत सिंह रावत के पैतृक घर को संग्रहालय बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह बाबा जसवंत सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इससे उत्तराखंड की युवा पीढ़ी लगातार प्रेरणा पाती रहेगी।

गढ़वाल सांसद बलूनी ने लैंसडाउन विधानसभा क्षेत्र में स्थित उनके पैतृक गांव बाडियूं का दौरा किया। उन्होंने अमर शहीद की जन्मस्थली पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में बाबा जसवंत सिंह का पैतृक आवास जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इसका पुनरुद्धार कर आधुनिक संग्रहालय का रूप दिया जाएगा। भाजपा सांसद ने अपनी यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से विचार-विमर्श भी किया।

उन्होंने गांवों में रात्रि प्रवास कर आम लोगों से सीधा संपर्क स्थापित किया। उल्लेखनीय है कि बाबा जसवंत सिंह रावत 19 अगस्त 1960 को 4 गढ़वाल राइफल्स में भर्ती हुए थे। 1962 के युद्ध में अरुणाचल प्रदेश के नूरानांग में उन्होंने तीन दिनों तक अकेले मोर्चा संभाला और साथियों के साथ 300 दुश्मन सैनिकों को ढेर कर अपना बलिदान दिया। अदम्य शौर्य के लिए उन्हें मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

नटीन में पक्षी अवलोकन और रोप क्लाइंबिंग शुरू

उत्तरकाशी। दयारा बुग्याल के बेस गांव नटीन में विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित मेले में इस बार पर्यटन को नए आयाम देने की पहल हुई। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पहली बार पक्षी अवलोकन और रोप क्लाइंबिंग जैसी प्रकृति एवं साहसिक गतिविधियां शुरू की गईं। वहीं, बारिश के बीच ग्रामीणों ने पारंपरिक रासों-तांदी नृत्य प्रस्तुत कर लोक संस्कृति की झलक पेश की। कार्यक्रम का शुभारंभ राघवेंद्र माहाराज और मुख्यमंत्री के गढ़वाल समन्वयक किशोर भट्ट ने किया। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीणों की पहल सराहनीय है। ऐसी गतिविधियों से पर्यटकों का रुझान बढ़ेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में पहुंचीं ध्याणियों की सराहना करते हुए कहा कि ध्याणी मिलन उत्तराखंड की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

वहीं, दयारा विश्व पर्यटन समिति के अध्यक्ष राजकेंद्र सिंह थनवाण ने कहा कि दयारा बुग्याल जाने वाले पर्यटकों के लिए नटीण गांव प्रमुख पड़ाव है। क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए पक्षी अवलोकन और रोप क्लाइंबिंग जैसी गतिविधियां शुरू की गई है।

केंद्रीय विद्यालय संगठन ने किया भटवाड़ी का स्थलीय निरीक्षण

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड मुख्यालय में केंद्रीय विद्यालय के संचालन को लेकर केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग की टीम ने राजकीय इंटर कॉलेज में स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां पर कक्षाओं के अस्थायी निर्माण के लिए तोड़े जा रहे जर्जर भवनों आदि की जानकारी ली।

बीते शनिवार को केंद्रीय विद्यालय संगठन देहरादून संभाग की ओर से सहायक आयुक्त स्वाती अग्रवाल सहित बृजेश पाल सिंह, कविता बिजारनिया ने स्थानीय लोगों के साथ राजकीय इंटर कॉलेज भटवाड़ी में केवी के अस्थायी सुविधाओं को उपलब्ध करवाई जाने वाली व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। कहा कि केंद्रीय विद्यालय के शुरूआती संचालन के लिए कक्षाओं सहित स्टाफ क्वार्टर सहित खेल मैदान आदि की सुविधाएं होना आवश्यक है।

टीम ने कहा कि सभी बिंदुओं की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान मौजूद केशव नौटियाल, यजुवेंद्र रावत, विपिन नौटियाल का कहना है कि इस कवायद से सीमांत जनपद से शिक्षा के लिए हो रहा पलायन रूकेगा। प्रथम चरण में जिला प्रशासन की ओर से कक्षाओं के अस्थायी निर्माण के लिए जर्जर भवनों को तोड़ने का कार्य तीन दिन पूर्व ही शुरू कर दिया गया है। कहा कि इसके लिए ग्रामीणों की ओर से जुलाई में 17 दिन का आंदोलन किया गया था।

गंगोत्री-यमुनोत्री धाम की पहाड़ियों में बर्फबारी

उत्तरकाशी। जनपद में लगातार दो दिन से हो रही बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। गंगोत्री-यमुनोत्री धाम की पहाड़ियों सहित गोमुख ट्रैक व नेलांग-जादूंग घाटी में करीब एक से चार फीट तक बर्फ गिर चुकी है। दूसरी ओर बारिश के कारण गंगोत्री हाईवे पर धरासू और यमुनोत्री हाईवे चामी और बर्नीगाड में मलबा आने के कारण बंद हो गया है। साथ ही गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा पर दूसरे दिन भी अस्थायी रोक जारी रही।

गंगोत्री-यमुनोत्री धाम में भी लगातार बारिश जारी है। बारिश के कारण धरासू में मलबा आने के कारण गंगोत्री हाईवे का खुलने और बंद होने का सिलसिला जारी है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने आपदा कंट्रोल रूम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों संवेदनशील स्थानों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। साथ ही आपदा प्रबंधन से जुड़ी सभी टीमों के साथ राजस्व विभाग,

पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को भी अलर्ट पर रखा गया है।

डीएम ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से ट्रैकिंग पर गए और बेस कैंपों में रुके ट्रैकर्स की सुरक्षा को लेकर सभी आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ट्रैकर्स को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए संबंधित टीमों को आपसी समन्वय से आवश्यकतानुसार रेस्क्यू अभियान चलाने को कहा। डीएम ने खतरे वाले और संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के साथ यात्रियों से भी सावधानी बरतने की अपील की है।

भूस्खलन के मलबे में फंसी बस, 20 लोग बाल–बाल बचे

लंबगांव (टिहरी)। दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के बीच बिजपुर–पनियाला मोटर मार्ग पर अचानक भूस्खलन होने से भारी मलबा आने से ऋषिकेश से भैंतलाखाल जा रही एक बस फंस गई। बस सड़क से बाहर जाने से बाल–बाल बची। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस में सवार सभी 20 यात्रियों को सुरक्षित उतार दिया। मलबा आने से करीब तीन घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।

रविवार को बस दोपहर एक बजे लंबगांव से भैंतलाखाल के लिए रवाना हुई थी। किलोमीटर चार के पास सड़क पर अचानक भारी मलबा आने से बस उसमें फंस गई। चालक ने तत्काल यात्रियों को बस से उतरने को कहा। परिचालक ने बस के पिछले पहियों के नीचे पत्थर लगाकर उसे रोकने का प्रयास किया। बाद में यात्री दूसरे वाहनों से अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। करीब तीन घंटे बाद जेसीबी पहुंची और मलबा हटाकर बस

को सुरक्षित निकाला गया। इस दौरान सड़क पर लगातार मलबा आने की स्थिति बनी रही। बीडीसी सदस्य नरेश नेगी, सुरेंद्र सिंह नेगी ने घटना की सूचना पुलिस प्रशासन को दी। थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत टीम के साथ मौके पर पहुंचे और लोनिवि को सड़क की स्थिति से अवगत कराया। बाद में जेसीबी से मलबा हटाया गया।

मोबाइल और नशा छोड़कर संस्कारों से जुड़ें युवा : सेमवाल

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक के सकलाना भरवाकाटल मंडल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मां सुरकंडा खंड की ओर से युवा संगम आयोजित किया गया जिसमें युवाओं को संस्कार, संस्कृति और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला संघ चालक सत्य प्रसाद सेमवाल, प्रधानाचार्य रामावतार, कथावाचक हरिकृष्ण उनियाल, जय सिंह अजवाण ने किया। जिला संघ चालक सेमवाल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों और शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक हरिकृष्ण उनियाल, ओमप्रकाश पंवार, प्रधान सूरत कठैत,देवेंद्र पंवार, दिनेश भट्ट, सुनीता नेगी, सुमन अजवाण, अनिल हटवाल, दिनेश उनियाल आदि मौजूद रहे।

मानव जीवन का सबसे बड़ा धन हैं बेटियां: राजे

ऋषिकेश। बेटी दिवस के अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान अखिल भारतीय सनातन संगठन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. राजे नेगी ने कहा कि बेटियां और वन, दोनों ही मानव जीवन के सबसे बड़े धन हैं।

डॉ. नेगी ने बताया कि बेटियां केवल परिवार की नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र की शान हैं जिस प्रकार वन हमारे पर्यावरण, जल और जीवन की रक्षा करते हैं, ठीक उसी प्रकार बेटियां संस्कार, संवेदना और समाज के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं।वर्तमान समय में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के साथ–साथ वन संरक्षण को भी एक जनआंदोलन बनाना बेहद आवश्यक है।

बारिश से खेतों में तैयार फसलें खराब होने की संभावना बढ़ी

घनसाली/कंडीसौड़/ लंबगांव। जिले में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। ठंड बढ़ने के साथ खेतों में तैयार फसल के खराब होने की संभावना बढ़ गई है। काश्तकारों ने क्षतिग्रस्त फसलों के मुआवजे की मांग की है। दो दिनों से लगातार हो रही तेज बारिश के कारण तापमान में गिरावट आ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों धान,मंडवा, झंगोरा, चौलाई, विभिन्न प्रकार की दालों की फसलें खेतों में पक कर तैयार है। जिला पंचायत सदस्य विक्रम घणाता, धनपाल बिष्ट, प्रियंका बसन्वाल, संदीप कुमार, अमित जोशी आदि का कहना कि दो दिन से हो रही बारिश के कारण क्षेत्र के काश्तकारों की परेशानी बढ़ा दी है। ग्रामीणों ने धान की फसल काटकर खेतों में एकत्रित की हुई है, खेतों में बारिश का पानी भरने से काटी गई और खड़ी फसल खराब होने लगी है। क्षेत्र के अधिकांश लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है। पहले जंगली जानवर और अब मौसम की मार के कारण ग्रामीणों के सामने आजीविका संकट खड़ा हो गया है। मौसम ने काश्तकारों की 6 माह की मेहनत पर पानी फिर दिया है। वहीं थौलधार ब्लॉक के ग्रामीण भी बारिश से परेशान है। क्षेत्र पंचायत सदस्य नत्थीलाल, प्रेम सिंह राणा, गोविंद सिंह नेगी, रतनमणी उनियाल, जसोदा देवी आदि का कहना कि बारिश से खेतों में पकी फसलें पूरी तरह से खराब होने किसान परेशान है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र कर्मियों भेजकर क्षतिग्रस्त फसलों का आंकलन कर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

बारिश ने थामी हवाई रफ्तार, देहरादून एयरपोर्ट पर उड़ानें प्रभावित

जौलीग्रांट। खराब मौसम और लगातार बारिश के चलते लगातार दूसरे दिन देहरादून एयरपोर्ट पर हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। अलग–अलग शहरों से आने वाली दो उड़ानों को दिल्ली डायवर्ट करना पड़ा, जबकि आधा दर्जन से अधिक उड़ानें देरी से एयरपोर्ट पहुंचीं। सुबह 11 बजे आने वाली इंडिगो की मुंबई उड़ान और दोपहर 12 बजे की इंडिगो की कोलकाता उड़ान ने आसमान में कई चक्कर लगाने के बाद दिल्ली का रुख किया। वहीं इंडिगो की जयपुर उड़ान निर्धारित समय 11:25 बजे के बजाय 11:52 बजे, एयर इंडिया एक्सप्रेस की बेंगलुरु उड़ान 12:20 बजे के बजाय करीब एक बजे, इंडिगो की हैदराबाद उड़ान 12:50 बजे के बजाय 1:13 बजे और एयर इंडिया की दिल्ली उड़ान एक बजे के बजाय 1:20 बजे एयरपोर्ट पहुंची। इसके अलावा इंडिगो की दिल्ली उड़ान निर्धारित समय 1:35 बजे के बजाय 3:16 बजे, जबकि एयर इंडिया की मुंबई उड़ान 2:20 बजे के बजाय 2:43 बजे पहुंची। शाम की अन्य उड़ानें भी देरी से एयरपोर्ट पहुंचीं। लगातार खराब मौसम के कारण यात्रियों को उड़ानों के संचालन में देरी और डायवर्जन का सामना करना पड़ा।

पांच साल का इंतजार होगा खत्म, दिसंबर में घर–घर पहुंचेगा पानी

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लॉक के रौणद–रमोली क्षेत्र के ग्रामीणों का पांच साल का पेयजल इंतजार खत्म होने की उम्मीद जगी है। निर्माणाधीन जलकुर–बुरांशखंडा पेयजल योजना के इस साल दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

वन भूमि की अनुमति मिलने के बाद कार्यदायी संस्था जल संस्थान ने काम पूरा करने का लक्ष्य तय किया है। योजना पूरी होने पर पेयजल संकट की समस्या से जूझ रहे भरपूर, ल्वारखा, सिलारी, कोरदी, गैरी ब्राह्मणों की भैंतला, खेतपाली व आसपास के गांवों में निवासरत लोगों को राहत मिल सकती है।

पट्टी रौणद–रमोली क्षेत्र के लिए करीब 18 करोड़ से तैयार की जा रही जलकुर–बुरांशखंडा पेयजल योजना का निर्माण वर्ष 2022 में शुरू हुआ था। इसे वर्ष 2025 तक

पूरा करने का लक्ष्य था लेकिन वन भूमि आड़े आने से काम अटक गया था। लंबे इंतजार के बाद वन भूमि की अनुमति मिलने से योजना के निर्माण में तेजी आने की उम्मीद है। योजना पर करीब डेढ़ किलोमीटर मुख्य पाइप लाइन बिछाई जा चुकी है जबकि करीब एक किमी लाइन का काम अभी बाकी है। योजना से भरपूर, ल्वारखा, सिलारी, कोरदी, गैरी ब्राह्मणों की भैंतला, खेतपाली समेत अन्य गांवों और तोकों में पेयजल पहुंचाया जाना है।

जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों के घरों तक पानी के कनेक्शन पहले ही लगाए जा चुके हैं लेकिन योजना से पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई थी। गर्मियों में पेयजल स्रोत सूखने के कारण ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ती है। कई बार टैंकरों से भी पानी की आपूर्ति करनी पड़ती है। योजना पूरी होने से उक्त गांवों की पेयजल समस्या काफी हद तक दूर होने की उम्मीद है।

एक नजर

त्योहारी सीजन में जीएसटी की छापामारी से व्यापार मंडल नाराज

रुद्रप्रयाग। आगामी दीपावली और धनतेरस को देखते हुए बाजारों में जीएसटी विभाग की सक्रियता बढ़ने पर नगर उद्योग व्यापार मंडल रुद्रप्रयाग ने नाराजगी जताई है। व्यापार मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण बिष्ट और महामंत्री तरुण पंवार ने असिस्टेंट कमिश्नर जीएसटी को ज्ञापन सौंपकर त्योहारी सीजन के दौरान औचक सर्वे, छापामारी और जांच अभियानों पर रोक लगाने की मांग की।व्यापारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन कारोबार के लिए साल का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है लेकिन अचानक बढ़ी विभागीय सक्रियता से व्यापारी मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हैं। ज्ञापन में त्योहारी सीजन में सर्वे–छापा रोकने, भयमुक्त वातावरण देने और उचित दिशा–निर्देश जारी करने की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी यदि कार्रवाई नहीं रोकी गई तो राज्य के सभी 20 संगठनात्मक जिलों के पदाधिकारियों के साथ देहरादून स्थित जीएसटी कमिश्नर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

मायाकुंड में सड़कों का लोकार्पण किया

ऋषिकेश। शहर में अवस्थापना विकास निधि के तहत करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से कराए जा रहे सड़क व अवस्थापना विकास कार्यों में मायाकुंड क्षेत्र में करीब 90 लाख रुपये की लागत से निर्मित सड़कों का लोकार्पण विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने किया। इस दौरान विधायक अग्रवाल ने कहा कि शहर में सड़क और अन्य अवस्थापना सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। अवस्थापना विकास निधि से शहरभर में करीब 18 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, नाली समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर मजबूत किया जा रहा है। माया कुंड में नई सड़कों के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की सड़क व्यवस्था में सुधार होगा। कार्यक्रम में अधिशासी अभियंता अनिल नेगी, माधवी गुप्ता, अजय दास, एमएस ढौंडियाल, उषा मंडल, अमित कुमार, गोपाल शर्मा, पीके श्रीवास्तव, जितेंद्र पाल आदि उपस्थित रहे।

शहीद भगत सिंह चौक पर गूंजा शहीद–ए–आजम का जयघोष

डोईवाला। शहीद–ए–आजम सरदार भगत सिंह के 119वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रविवार को चांदमारी स्थित भगत सिंह चौक पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान तमाम संगठनों के प्रतिनिधियों व स्थानीय लोगों ने पहुंचकर शहीद भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण किया। रविवार को भारी बारिश के बावजूद गुरु नानकदे वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयोजित किए गए श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पहुंचकर लोगों ने शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। सोसायटी के अध्यक्ष बलबीर सिंह ने कहा कि शहीद भगत सिंह ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर युवाओं के सामने देशभक्ति और साहस कि मिसाल कायम की। किसान सभा के मंडल उपाध्यक्ष जाहिद अंजुम ने कहा कि भगत सिंह के विचारों को केवल स्मरण करने के बजाए उन्हें जीवन में आत्मसात करना होगा। सभासद प्रतिनिधि अवतार सिंह सैनी, जसवीर सिंह अरविंदर सिंह और मंडल सचिव याकूब अली ने शहीद भगत सिंह से जुड़े वृतांत सुनाए। इस दौरान किसान नेता उमेद वोरा, जितेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

तीर्थों की मर्यादा बनाए रखना जरूरी

रुद्रप्रयाग। अखिल भारतीय धर्म संघ के पूर्व प्रान्तीय महामंत्री कालिका प्रसाद सेमवाल ने तीर्थों की मर्यादा बनाई रखने बात कही। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के चारों धामों की मर्यादा बनाए रखना प्रत्येक तीर्थयात्री व सनातन धर्मी का नैतिक दायित्व है। धाम मौजमस्ती के स्थान नहीं बल्कि आस्था व तप हैं। जो लोग वहां पिकनिक मनाने के उद्देश्य से आते हैं ऐसे लोगों का धामों में प्रवेश बंद होना चाहिए।

बारिश की फुहारों में सजी तीर्थनगरी, सैलानियों से गुलजार हुई हर गली

ढालवाला। तीर्थनगरी में पिछले 24 घंटों से लगातार हो रही झमाझम बारिश ने पूरे मौसम का मिजाज बदल दिया है। तेज बारिश के बावजूद पर्यटकों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। वीकेंड होने के चलते जानकी सेतु, राम झूला और लक्ष्मण झूला जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की जबरदस्त चहल–पहल और रौनक देखने को मिली है। मौसम के बदले रुख के कारण तापमान में काफी गिरावट आई है जिससे क्षेत्र में ठंडक और सुहावना माहौल बन गया है। इस मौसम का लुत्फ उठाने के लिए दिल्ली–एनसीआर, हरियाणा, पंजाब और आसपास के राज्यों से भारी संख्या में सैलानी पहुंचे हैं। बारिश के बीच सैलानी पूरी तैयारी के साथ सड़कों और गंगा के घाटों पर उतरते नजर आए। सैलानी रेनकोट पहनकर गंगा किनारे टहलते और बारिश की बूंदों के बीच पूरे दिन मौसम का आनंद लेते दिखाई दिए। जानकी सेतु

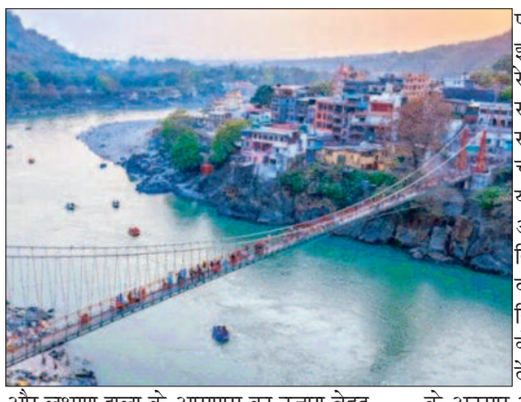

और लक्ष्मण झूला के आसपास का नजारा बेहद दर्शनीय रहा, जहां लोग बहती गंगा और घने बादलों से ढकी पहाड़ियों के मनोरम दृश्यों का आनंद लेने के साथ नजारों को अपने मोबाइल फोन में कैद कर रहे थे। पर्यटकों की इस भारी आवक के कारण मुनि की रेती क्षेत्र,तपोवन के सभी प्रमुख पार्किंग स्थल पूरी तरह फुल नजर आए। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें और चहल–पहल देखी गई। पुलिस व यातायात प्रशासन को पर्यटकों की भीड़ और वाहनों के दबाव को संभालने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय व्यापारियों और दुकानदारों का कहना है कि लगातार हो रही बारिश और वीकेंड के कारण बाजार में अच्छा कारोबार देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ घंटों तक बारिश का यह सिलसिला यूं ही जारी रहने की संभावना है जिससे आने वाले दिनों में भी पर्यटकों की चहल–पहल बने रहने की उम्मीद है।

बांध प्रभावितों ने मांगों के निराकरण नहीं होने पर आक्रोश जताया

नैनबाग (टिहरी)। लखवाड़ बांध परियोजना से प्रभावित गांव के युवाओं ने बैठक कर प्रभावितों की मांगों का निराकरण न होने पर आक्रोश जताया है। उन्होंने बांध प्रभावितों को छूटी परिसंपत्तियों का जल्द भुगतान करने और युवाओं को रोजगार देने मांग प्रमुखत से उठाई। जौनपुर में यमुना नदी तट पर निर्माणाधीन 300 मेगावाट लखवाड़ बांध परियोजना से प्रभावित गांव के जनप्रतिनिधियों और युवाओं की बांध प्रभावित काश्तकार संयुक्त संघर्ष समिति जौनपुर–जौनसार के अध्यक्ष महिपाल सिंह सजवाण के नेतृत्व में बसाणिधार में बैठक हुई। अध्यक्ष सजवाण ने कहा कि बांध प्रभावित युवाओं को परियोजना रोजगार देने, प्रभावित काश्तकारों के परिवारों की गणना करने, फलदार पौधों, खेत–खलियान, घराट, छानी आदि परिसंपत्तियों के मुआवजे की मांग कर हैं लेकिन ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा। समिति के सचिव राकेश राणा ने कहा कि बांध प्रभावितों की जायज मांगों को कई बार शासन– प्रशासन में उच्चाधिकारियों के समक्ष भी रखा गया लेकिन हर बार कोरा आश्वासन मिलता है। बैठक में निर्णय लिया गया जल्द ही टिहरी और देहरादून के जिलाधिकारियों को प्रभावित ग्रामीणों का मांग पत्र दिया जाएगा। इसके बाद भी मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नही हुई तो आंदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक में सुरेश रावत, आनंद तोमर, सरदार सिंह रावत, प्रदीप भंडारी, अंकित, सुरेश राणा, चैन सिंह, लूथर सिंह, संदीप तोमर आदि मौजूद थे।

चीनी मिल के पेराई सत्र की हुई समीक्षा

डोईवाला। शुगर मिल के पेराई सत्र की तैयारियों समेत रविवार को विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अधिकारियों को मिल के मरम्मत और रखरखाव के कार्य समय पर पूरा करने के अलावा सभी ट्रायल समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए गए। मिल परिसर में गन्ना विकास और चीनी उद्योग सचिव और प्रशासक सुरेंद्र नारायण पांडेय की अध्यक्षता में निदेशक मंडल की बैठक आयोजित की गई। इसमें डोईवाला और किच्छा चीनी मिल के पेराई सत्र की समीक्षा की गई। सचिव पांडेय ने पेराई सत्र शुरू होने से पहले मिल के सभी स्टेशनों और मशीनरी का ट्रायल अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी तरह की लापरवाही न बरतने और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रबंध निदेशक प्रकाश चंद , गन्ना आयुक्त त्रिलोक सिंह मतीलिया, अधिशासी निदेशक अजयवीर सिंह, संयुक्त आयुक्त हिमानी पाठक और महाप्रबंधक विजय पांडेय आदि मौजूद रहे।

आधुनिकीकरण के लिए मांगी वित्तीय मदद

डोईवाला। चीनी मिल के अधिशासी निदेशक अजयवीर सिंह ने सचिव के समक्ष पुरानी मशीनरी के बदलाव के लिए शासन से मिल को आवश्यक वित्तिय सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जलाया सरकार का पुतला

ऋषिकेश। किच्छा नगरपालिका चुनाव के दौरान विधायक तिलक राज बेहड़ के साथ हुई कथित हाथापाई और हमले के विरोध में श्यामपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरूप भाजपा सरकार का पुतला जलाकर नारेबाजी की। प्रदेश महासचिव जयेंद्र रमोला ने कहा कि प्रदेश में कानून–व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है।

पुलिस की मौजूदगी में निर्वाचित जनप्रतिनिधि के साथ कथित तौर पर हमला होना चिंताजनक है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल ने कहा कि इस घटना ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग जारी रखेगी। श्यामपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजयपाल पंवार ने कहा कि विधायक तिलक राज बेहड़ के साथ हुई घटना के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि

लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों के सम्मान से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन में कांता प्रसाद कंडवाल, सत्याभामा, मनमोहन सिंह रावत, रविन्द्र दत्त उनियाल, हेमू पुंडीर, सतीश रावत आदि शामिल रहे।

जीएसटी के छापे के विरोध में कांग्रेस का धरना

खटीमाः छोटे और मध्यम व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर जीएसटी के नाम पर की जा रही छापेमारी और कथित उत्पीड़न के विरोध में रविवार को शहीद स्मारक स्थल पर विधायक भुवन कापड़ी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया।

विधायक भुवन कापड़ी ने कहा कि भाजपा सरकार ने पहले युवाओं के रोजगार के अवसरों को प्रभावित कर उन्हें परेशान किया, इसके बाद किसानों को लगातार संकट और कर्ज की ओर धकेला और अब छोटे व्यापारियों को जीएसटी के नाम पर परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार किसानों से उनकी उपज सरकारी क्रय केंद्रों के माध्यम से खरीदने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर किसान अपनी उपज के उचित मूल्य और खाद जैसी मूलभूत जरूरतों के लिए परेशान हैं। अब व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है,

जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी।

विधायक ने कहा कि एक ओर बड़े–बड़े पूंजीपति मित्रों के लाखों करोड़ रुपये के कर्ज माफ किए जा रहे हैं और दूसरी ओर छोटे व्यापारियों और किसानों से उसकी भरपाई करने का प्रयास किया जा रहा है। वहां पर देवेंद्र कन्याल, उमेश राठौर, अमन अरोरा, नासिर खान, रेहान अंसारी, दीपक चंद, पंकज टम्टा, राजकिशोर सक्सेना, ताहिर, अरफात, अय्यूब, नूर मोहम्मद, आसिफ, फईम,सतपाल राणा, नरेंद्र आर्य, नवीन जोशी, लक्ष्मण राणा,बादल सक्सेना, कांता प्रसाद, विक्रम सिंह, वीरेंद्र राज, पूरन मेहता, तरणवीर सिंह आदि थे।

किसान समिति से 34 शहर और गांव हो रहे लाभान्वित : कौर

जौलीग्रांट। बहुउद्देशीय किसान सेवा सहकारी समिति भानियावाला की आमसभा रविवार को आयोजित की गई जिसमें किसानों, समिति सदस्यों और पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। समिति अध्यक्ष जसवीर कौर ने बताया कि समिति से नगर पालिका और ग्राम सभाओं के करीब 34 गांव एवं क्षेत्र लाभान्वित हो रहे हैं। दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत पिछले वित्तीय वर्ष में समिति सदस्यों को शून्य ब्याज दर पर 2.65 करोड़ रुपये का ऋण वितरित किया गया। वित्तीय वर्ष 2025–26 में समिति को 80.10 लाख रुपये का लाभ हुआ। समिति ने शेयरधारकों को 20 प्रतिशत लाभांश दिया। तीन वित्तीय वर्षों में कुल 33.58 लाख रुपये का लाभांश वितरित किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष सुखविंदर कौर ने किसानों को डीएपी, यूरिया और बीज सहित कृषि सामग्री समय पर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. केएस राणा, भगवान सिंह सैनी, प्रबंधक मनोज नौटियाल, शेर सिंह पाल, हरजिंद्र सिंह, तेग सिंह सोलंकी, भजन दास, पूजा शर्मा, रजनी सोलंकी, उर्मिला नेगी, विनीत मनवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड की विकास में प्रवासी उत्तराखण्ड वासियों की है महत्वपूर्ण भागीदारी-सीएम

देहरादूनद्ध। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड निवास में उत्तराखंड के प्रवासी बुद्धिजीवियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की विकास यात्रा में प्रवासी उत्तराखंड वासियों एवं प्रबुद्ध जनों की महत्वपूर्ण भागीदारी है। इस अवसर पर प्रवासी बुद्धिजीवियों द्वारा राज्य के विकास के प्रति अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राप्त सुझावों का समावेश राज्य के विकास हेतु तैयार की जाने वाली नीतियों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रवासी बंधुओ से संवाद के दौरान इस आयोजन में अपनी व्यस्तताओं के बावजूद उपस्थित होने के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण राज्य है, जो हमें विरासत में मिला है। राज्य सरकार ने विकास को गति देने के लिए बजट को बढ़ाकर एक लाख 12 हजार करोड़ रुपये तक किया है। उन्होंने कहा कि रिवर्स पलायन की दिशा में अभी विभिन्न क्षेत्रों में और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। 'पहाड़ का पानी और पहाड़ की जवानी' को राज्य के विकास में उपयोगी बनाने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। पर्यटन, स्वरोजगार और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों के विस्तार से रिवर्स माइग्रेशन की दिशा में सकारात्मक बदलाव

देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में रिवर्स माइग्रेशन में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने राज्य की मजबूत कनेक्टिविटी को निवेश के लिए महत्वपूर्ण ताकत बताते हुए कहा कि दिल्ली–देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के शुरू होने से राष्ट्रीय राजधानी और देहरादून के बीच यात्रा का समय काफी कम हुआ है। देहरादून से देश के प्रमुख शहरों के लिए 50 से अधिक हवाई सेवाएं उपलब्ध हैं। हरिद्वार राज्य के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में शामिल है, जबकि ऊधमसिंह नगर का पंतनगर कृषि के साथ–साथ औद्योगिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। पंतनगर में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को औद्योगिक और लॉजिस्टिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। राज्य की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति आयोग की एसडीजी रैंकिंग में उत्तराखण्ड ने शीर्ष स्थान हासिल किया है। पर्वतीय और पूर्वोत्तर राज्यों की श्रेणी में भी राज्य को निवेश के लिए बेहतर नीतिगत वातावरण तैयार करने की दिशा में अग्रणी स्थान प्राप्त हुआ है। युवाओं और रोजगार के विषय पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई 2021 को मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। पेपर लीक और नकल के मामलों में कठोर कार्रवाई की गई तथा नकल माफिया के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए करीब 100 से अधिक लोगों को जेल भेजा गया। मुख्यमंत्री के अनुसार, 35 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी गई है और भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक सुधार किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि होमस्टे, छोटे होटल, कृषि, बागवानी और स्थानीय उद्यमों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। राज्य की पर्यटन क्षमता को अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा, कांवड़ यात्रा और आदि कैलाश जैसी यात्राओं में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंच रहे हैं। चारधाम यात्रा में कई गुना वृद्धि हुई है, जबकि कांवड़ यात्रा में करीब पांच करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने का उल्लेख किया गया। आदि कैलाश क्षेत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के बाद पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता लागू कर राज्य ने देश के सामने सुशासन और समान अधिकारों की दिशा में एक नया मॉडल प्रस्तुत किया है। उनके अनुसार, समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद समाज में सकारात्मक वातावरण बना है तथा महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के अधिकारों को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड से निकली समान नागरिक संहिता की गंगा देश के अन्य राज्यों को भी समानता और न्याय की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की अस्मिता और डेमोग्राफी की रक्षा के लिए धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कानून भी लागू किए गए हैं।

रावत ने कहा- हूँ तो मैं भी राजपूत ही ललकार मिली है तो मैदान में हूँ

देहरादून। UKSSSC ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने अपने समर्थकों और प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए केंद्र की जांच एजेंसियों की कार्रवाई पर सवाल उठाए। रावत ने कहा कि वह अपने राज्य के लोगों के साथ खड़े हैं और किसी भी जांच का सामना करने से पीछे नहीं हटेंगे। रावत ने अपने बयान में कहा, हूँ तो मैं भी राजपूत ही ललकार मिली है, तो मैदान में हूँ। उन्होंने कहा कि यदि उनके और उनके परिवार की जांच करनी है तो एक बार में पूरी जांच कर ली जाए, ताकि हर चुनाव के दौरान उनके घर पर किसी न किसी जांच एजेंसी की दस्तक न हो। उन्होंने कहा कि कभी माध्यम से उनसे पूछताछ की जा रही है। रावत ने कहा कि वह जांच से भागने वाले नहीं हैं और जांच एजेंसियां चाहें तो उनके और उनके परिवार से जुड़े मामलों की व्यापक जांच कर सकती हैं।

मैं तो आपके पास हूँ, आपके साथ हूँ

हरीश रावत ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ लोग इशारों में बात कर रहे हैं, लेकिन वह स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि वह अपने राज्य की जनता के साथ हैं।उन्होंने कहा, ह्लसानू तुहाडे नाल पूछना चाहता है मैनू कित्थे–कित्थे! मैं तो तुहाडे नाल हूँ जी, आपके पास हूँ, आपके साथ हूँ। अपने राज्य के लोगों के साथ हूँ।रावत ने यह भी कहा कि जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर वह दबाव में नहीं हैं और अपने राजनीतिक एवं सार्वजनिक जीवन में सामने आने वाली परिस्थितियों का सामना करेंगे।

पछवादून–जौनसार में जनजीवन अस्त–व्यस्त

देहरादून। पछवादून और जौनसार–बावर क्षेत्र में पिछले 36 घंटे से लगातार हो रही बारिश ने आम जनजीवन पूरी तरह अस्त–व्यस्त कर दिया है। पहाड़ से लेकर मैदान तक तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को अभी से कड़ाके की सर्दी का अहसास होने लगा है।

वही, चकराता के कैलाना छावनी क्षेत्र में बारिश के चलते सड़क किनारे बनी एक सुरक्षा दीवार भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि उस वक्त कोई वाहन वहां से नही गुजर रहा था, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। सुबह करीब आठ बजे से शुरू हुआ बारिश का दौर रविवार रात तक लगातार जारी रहा। कभी हल्की तो कभी तेज बारिश के कारण विकासनगर, हरबर्टपुर, सहसपुर और सेलाकुई समेत जौनसार–बावर के कालसी, साहिया, चकराता व त्यूणी में लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हो गए। पहाड़ी क्षेत्रों के बाजारों में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा।

सिरोबगड़ में फिर बरपा पहाड़, मलबे की चपेट में आने से बाल–बाल बचे तीन वाहन

श्रीनगर। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के बीच ऋषिकेश–बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिरोबगड़ क्षेत्र में पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने का सिलसिला जारी है। पहाड़ी से लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण श्रीनगर–रुद्रप्रयाग के बीच हाईवे पर बार–बार यातायात बाधित हो रहा है। रविवार को भी सिरोबगड़ क्षेत्र में अचानक पहाड़ी से भारी मलबा सड़क पर आ गिरा। इस दौरान हाईवे से गुजर रहे तीन वाहन मलबे की चपेट में आने से बाल–बाल बच गए। अचानक मलबा आने से मौके पर अफरा–तफरी की स्थिति बन गई और कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।

लगातार गिर रहा मलबा

कलियासौड़ चौकी प्रभारी विजय शैलानी के अनुसार, शनिवार से लगातार हो रही बारिश के कारण सिरोबगड़ में पहाड़ी से बार–बार मलबा और पत्थर गिर रहे हैं। इसके चलते शनिवार से

अब तक कई बार हाईवे पर यातायात बाधित हो चुका है। रविवार को भी अचानक मलबा आने से सड़क पर आवाजाही प्रभावित हुई।

लगातार बारिश के चलते सिरोबगड़ क्षेत्र में भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। पहाड़ी से अचानक पत्थर और मलबा गिरने के कारण हाईवे से गुजरने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। पुलिस और संबंधित विभाग की टीमें मार्ग पर निगरानी बनाए हुए हैं तथा यातायात सुचारू रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारी बारिश का रेड अलर्ट, अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील

मौसम की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने यात्रियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। क्षेत्र में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी है। पुलिस ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा बेहद जरूरी होने पर ही मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी लेने के बाद यात्रा करने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

बिजली चोरी से यूपीसीएल को बड़ा नुकसान

हल्द्वानी। अधिकारियों के अनुसार अधिकतम 17 फीसदी लाइन लॉस में करीब सात फीसदी तकनीकी फॉल्ट शामिल हैं जबकि शेष नुकसान को बिजली चोरी से जोड़ा जा रहा है। घनी आबादी, पुराने नेटवर्क, ओवरलोडेड ट्रांसफार्मर और लंबी एलटी लाइनों के साथ बिजली के अनधिकृत इस्तेमाल को इसका प्रमुख कारण माना जा रहा है। लाइन लॉस का यह आंकड़ा बिजली वितरण व्यवस्था पर सीधा असर डाल रहा है। कुमाऊंजोन में बागेश्वर से जसपुर तक 11 डिविजन हैं। इन डिविजनों से जुड़े करीब 7.50 लाख उपभोक्ता की रोजाना करीब 8 से 10 एमयू बिजली की खपत है। यूपीसीएल के अधिकारियों के अनुसार अधिकतम 17 फीसदी तक हो रहे लाइन लॉस में सात फीसदी लाइनों में फॉल्ट शामिल है। घनी आबादी वाले इलाकों में बड़ी संख्या में घरेलू और व्यावसायिक कनेक्शन होने के साथ पुराने नेटवर्क, ओवरलोडेड ट्रांसफार्मर, लंबी एलटी लाइनें और बिजली के अनधिकृत इस्तेमाल प्रमुख कारण हैं। शेष लास बिजली चोरी मानी जाती है। ऊर्जा निगम ने अब फीडरवार लाइस लास का विवरण जुटाना शुरू कर दिया है। अभी तक बिजलीघर का ही यह डाटा लिया जाता था।

संस्कृत महाविद्यालय में योगा, कर्मकांड और योगाचार्य विषयों को मान्यता मिली

कर्णप्रयाग। श्री बदरीश कीर्ति संस्कृत महाविद्यालय डिम्मर में योगा डिप्लोमा, कर्मकांड और योगाचार्य विषयों को मान्यता मिल गई है। शासन ने विगत 22 अगस्त को इन विषयों को मंजूरी दी है जिससे छात्र–छात्राओं को लाभ मिलेगा। महाविद्यालय प्रशासन और बीकेटीसी ने शिक्षकों की नियुक्ति के लिए शासन को पत्र भेजा है। महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1910 में श्री बदरीनाथ धाम के डिमरी पुजारियों ने संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की थी। विगत सात वर्ष पूर्व तत्कालीन प्रबंध समिति ने विद्यालय का हस्तांतरण बीकेटीसी को कर दिया था। बीकेटीसी को हस्तांतरित होने के बाद कार्यदायी संस्था और संस्कृत शिक्षा निदेशालय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। प्राचार्य माता राम पुरोहित ने बताया कि संस्कृत शिक्षा निदेशालय ने विद्यालय में तीन नए विषयों को मान्यता दी है। वहीं बीकेटीसी के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने कहा कि तीन नए पदों की मान्यता मिलने के बाद अध्यापकों की तैनाती के लिए शासन को पत्र भेजा गया है।

टिहरी में पंचायत के 537 पदों पर 12 अक्तूबर को होगा उपचुनाव

नई टिहरी। टिहरी जिले में पंचायत के 537 रिक्त पदों पर उपचुनाव कराया जाएगा। इनमें सदस्य ग्राम पंचायत के 532, प्रधान ग्राम पंचायत के चार और सदस्य क्षेत्र पंचायत का एक पद शामिल है। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) नीतिका खंडेलवाल ने उपचुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया है। 30 सितंबर और एक अक्तूबर को नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। तीन अक्तूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। अगले दिन सुबह 10 से अपराह्न तीन बजे तक नाम वापसी होगी। पांच अक्तूबर को चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे।

उपचुनाव के लिए 12 अक्तूबर को सुबह आठ से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। 14 अक्तूबर को सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू होगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे। निर्वाचन संबंधी सभी कार्य और मतगणना विकासखंड मुख्यालयों पर होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी नीतिका ने बताया कि संबंधित निर्वाचन अधिकारियों की ओर से रिक्त पदों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों का आरक्षण सहित विवरण सार्वजनिक किया जाएगा।

शमी–हसीन जहां विवाद में उत्तराखंड के विधायक उमेश कुमार का नाम

देहरादून/नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और उनकी पत्नी हसीन जहां के बीच वर्षों से चला आ रहा विवाद एक बार फिर चर्चा में है। इस बार मामले में उत्तराखंड की खानपुर विधानसभा सीट से विधायक उमेश कुमार शर्मा का नाम सामने आया है। हसीन जहां ने उमेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि वर्ष 2018 में जब उनके और मोहम्मद शमी के बीच रिश्ते सुधारने और सुलह की कोशिश चल रही थी, तब कथित तौर पर विधायक के हस्तक्षेप के कारण दोनों के बीच समझौते की संभावना खत्म हो गई।

2018 में सुलह की कोशिश का दावा

हसीन जहां के अनुसार, वर्ष 2018 में मोहम्मद शमी और उनके बीच बातचीत के जरिए रिश्ते सुधारने की कोशिश चल रही थी। उनका दावा है कि उस समय शमी अपनी कथित गलतियों को स्वीकार कर परिवार में वापस आने की कोशिश कर रहे थे और दोनों के बीच बातचीत सकारात्मक

दिशा में आगे बढ़ रही थी। हसीन का आरोप है कि इसी दौरान उमेश कुमार के कथित हस्तक्षेप के बाद पति–पत्नी के बीच दूरी और बढ़ गई और सुलह की संभावना समाप्त हो गई। उनका कहना है कि इस पूरे विवाद का सबसे अधिक असर उनकी बेटी पर पड़ा। **शमी को कानूनी मदद दिलाने के नाम पर आर्थिक लाभ लेने का आरोप**

हसीन जहां ने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2018 में जब मोहम्मद शमी कानूनी विवादों में घिरे थे, तब उन्होंने उमेश कुमार की मदद ली थी। हसीन का दावा है कि शमी को कानूनी परेशानियों से बचाने के नाम पर विधायक ने उनसे आर्थिक लाभ लिया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध सामग्री में नहीं हुई है। ऐसे में इन्हें हसीन जहां के आरोप के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

पुलिस और प्रशासन को प्रभावित करने का भी आरोप

हसीन जहां ने उमेश कुमार पर पुलिस और प्रशासन को प्रभावित करने के भी आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि विधायक अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर पुलिस–प्रशासन पर दबाव बनाते रहे हैं। इन आरोपों को लेकर भी संबंधित पक्ष का जवाब और आधिकारिक जांच के निष्कर्ष महत्वपूर्ण होंगे।

अमरोहा के फार्म हाउस मामले से भी जोड़ा मामला

हसीन जहां ने अमरोहा के हसनपुर क्षेत्र के झूलपुरी गांव स्थित उमेश कुमार के फार्म हाउस में सामने आए कथित सामूहिक दुष्कर्म मामले पर भी सवाल उठाए हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मामले में चार सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और जांच जारी है।

हसीन जहां ने मांग की है कि फार्म हाउस से जुड़े पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और गहन जांच हो तथा घटना में जो भी दोषी पाए जाएं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

वहीं, विधायक उमेश कुमार ने मामले में अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि उन्हें घटना की जानकारी बाद में मिली थी और उन्होंने निष्पक्ष जांच तथा दोषियों को सजा दिए जाने की बात कही है।

2012 में हुई थी शमी से पहली मुलाकात

हसीन जहां ने मोहम्मद शमी के साथ अपने रिश्ते की शुरुआत के बारे में भी बात की है। उनके अनुसार, वर्ष 2012 में कोलकाता में एक क्रिकेट मैच के दौरान उनकी मुलाकात शमी से हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे–धीरे उनका रिश्ता आगे बढ़ा। हसीन के मुताबिक, शमी ने बाद में उन्हें अपने परिवार से मिलवाया।

पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग

अल्मोड़ा। चतुर्थ वर्गीय राज्य कर्मचारी महासंघ जिला शाखा की नगर निगम सभागार में हुई बैठक में कर्मचारियों की विभिन्न लंबित समस्याओं पर मंथन किया गया। वक्ताओं ने दो टूक शब्दों में कहा कि पुरानी पेंशन योजना को तत्काल बहाल किया जाए। साथ ही स्टाफिंग पैटर्न के तहत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को 4200 रुपये का ग्रेड वेतन दिया जाए। उन्होंने कहा कि शासनादेशानुसार चतुर्थ श्रेणी घ से तृतीय श्रेणी ग में पदोन्नति की जाए। चतुर्थ श्रेणी के मृत पदों को पुन जीवित कर नियमित रूप से नियुक्ति की जाए। चतुर्थ श्रेणी पद मृत कैडर होने के कारण समूह घ को अनिवार्य स्थानांतरण से हटाते हुए अनुरोध और पारस्परिक स्थानांतरण लागू किया जाए। जिन विभागों में शासनादेशानुसार वर्दी की सुविधा अनुमन्य नहीं की जा रही उन कार्मिकों को तत्काल उपलब्धता कराई जाए। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ललित तिवारी और संचालन जिला महामंत्री महेश आर्या ने किया। वहां संरक्षक हुकुम सिंह बनौला, सलाहकार हरी प्रसाद, कोषाध्यक्ष मुकेश नगरकोटी, संतोष बिष्ट, विशन सिंह, पान सिंह लटवाल, देवकी देवी, नीमा, पूरन कनवाल आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड में मौसम खराबः मुख्य सचिव ने की बैठक

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने कहा कि जनजीवन की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी संभावित आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी विभाग पूर्ण समन्वय के साथ 24 घंटे अलर्ट मोड पर कार्य करें।

मुख्य सचिव ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने प्रदेश में वर्षा की स्थिति, नदियों के जलस्तर, बंद सड़कों, भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों, राहत एवं बचाव कार्यों, विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति, संचार व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली। मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा एवं अतिवृष्टि से हुई क्षति का विस्तृत आकलन कर सूचना जल्द यूएसडीएमए को उपलब्ध कराई जाए। ताकि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्स्थापना कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके।

क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों एवं जनहानि का आकलन कर प्रभावित लोगों को नियमानुसार मुआवजे का वितरण प्राथमिकता पर जल्द से जल्द सुनिश्चित कराएं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता से कार्य करने को कहा। बिजली, पेयजल एवं संचार सेवाओं की बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता पर की जाए।

मुख्यमंत्री का नाम लेकर कथित वसूली का आरोप!

देहरादून। शराब कारोबारी दिनेश मल्होत्रा ने अरुण तोमर नाम के व्यक्ति पर शराब कारोबारियों से कथित तौर पर रकम मांगने, दबाव बनाने और मुख्यमंत्री के नाम का इस्तेमाल करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में मल्होत्रा ने आबकारी विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं।

मल्होत्रा का आरोप है कि पिछले दो–तीन वर्षों से उन्हें शराब कारोबार में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका दावा है कि अरुण तोमर का आबकारी विभाग के अधिकारियों पर प्रभाव है और उसके कहने पर शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई कराई जाती है।

पैसे नहीं देने पर ओवरसेटिंग के चालान का दबाव

शराब कारोबारी ने आरोप लगाया कि शराब

दुकानों पर ओवरसेटिंग के मामलों को लेकर कथित रूप से दबाव बनाया जाता है। उनका दावा है कि कथित रकम नहीं देने पर दुकान के ओवरसेटिंग के चालान कराने की धमकी दी जाती है। मल्होत्रा के अनुसार, उनकी दुकानों के भी दो–तीन बार चालान किए गए। उनका आरोप है कि इन कार्रवाइयों के पीछे कथित तौर पर आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश की गई।

2024–25 में 2.5 प्रतिशत और 2025–26 में 10 प्रतिशत मांगने का दावा

दिनेश मल्होत्रा ने अपने बयान में दावा किया कि वर्ष 2024–25 में शराब की दुकानों के नवीनीकरण के नाम पर कथित तौर पर 2.5 प्रतिशत रकम मांगी गई थी। उनका कहना है कि वर्ष 2025–26 में यह कथित मांग बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दी गई। मल्होत्रा का दावा है कि इस तरह शराब कारोबारियों पर लगातार आर्थिक दबाव बनाया जा रहा था। उनका कहना है कि कार्रवाई और आर्थिक नुकसान के डर से कई कारोबारी खुलकर सामने नहीं आते।

मल्होत्रा ने अपने बयान में सबसे गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि उनसे कथित तौर पर रकम मांगते समय मुख्यमंत्री का नाम लिया जाता था।

हालांकि, मल्होत्रा ने यह भी कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि अरुण तोमर को वास्तव में किसी उच्च स्तर से संरक्षण प्राप्त है या नहीं। यदि किसी व्यक्ति द्वारा मुख्यमंत्री का नाम लेकर किसी कारोबारी से कथित तौर पर रकम मांगी जा रही है, तो इसकी निष्पक्ष जांच की मांग भी उठती है।

जिला आबकारी अधिकारी पर भी लगाए गंभीर आरोप

दिनेश मल्होत्रा ने जिला आबकारी अधिकारी पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके अनुसार, अधिकारी ने उन्हें अपने आवास पर बुलाया और अरुण तोमर के साथ चल रहे कथित पैसों के विवाद को लेकर बातचीत की।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO.
UTTHIN/2005/16338

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान : पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने 27 सितंबर का विशाल मार्च स्थगित किया

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने इस्लामाबाद तक अपने विरोध मार्च को चार अक्टूबर तक स्थगित करने का फैसला किया है. पार्टी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पार्टी संस्थापक खान की रिहाई के लिए सरकार पर दबाव बनाने के उद्देश्य से 27 सितंबर को राजधानी की ओर विशाल मार्च निकालने की घोषणा की थी. हालांकि, सरकार की ओर से विरोध प्रदर्शन रोकने के लिए उठाए गए कड़े कदमों के कारण पार्टी ने इसे टालने का फैसला किया. इमरान खान (73) को भ्रष्टाचार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 2023 में गिरफ्तार किया गया था. वह रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में बंद हैं. पार्टी सूत्रों ने बताया कि विरोध प्रदर्शन स्थगित करने का फैसला एक बैठक में लिया गया और इसकी औपचारिक घोषणा खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी करेंगे. सूत्र ने कहा, 'विरोध प्रदर्शन 27 सितंबर के बजाय चार अक्टूबर को शुरू किया जाएगा.' इससे पहले दिन में अफरीदी ने पेशावर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि सड़कें बंद किए जाने और अन्य उपायों के बावजूद इस्लामाबाद के लिए प्रस्तावित लंबा मार्च जारी रहेगा. पीटीआई पार्टी नीत खैबर पख्तूनख्वा सरकार का नेतृत्व कर रहे अफरीदी ने कहा, 'हमारा विशाल मार्च निश्चित रूप से होगा. इस बार हम निश्चित रूप से बाहर निकलेंगे।

जयशंकर का पाकिस्तानी पत्रकार पर तंज :कहा- अब आतंकी देश मुझसे सवाल पूछेगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को एक पाकिस्तानी रिपोर्टर पर तंज कसा। रिपोर्टर ने भारत पर पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। इस पर जयशंकर ने कहा, 'एक आतंकवादी देश मुझसे यह सवाल पूछ रहा है।' रिपोर्टर के सवाल का जवाब देने के बाद वे मुस्कुराए और वहां से निकल गए। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस दौरान भारत की विदेश नीति, वैश्विक सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई पर बातचीत हो रही थी। इससे पहले दिसंबर 2022 में न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी पत्रकार ने जयशंकर से पूछा था कि दक्षिण एशिया आखिर कब तक भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवाद का सामना करता रहेगा।

गंडक नदी में तेजी से बढ़ रहा पानी, नेपाल में भारी बारिश की चेतावनी के बाद निचले इलाकों में अलर्ट

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से हालात बिगड़ने लगे हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार से रविवार तक देश के कई हिस्सों में अत्यधिक बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके चलते कोसी बैराज और गंडक नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आपदा की आशंका को देखते हुए नेपाली सेना और पुलिस ने तटीय इलाकों में रेड अलर्ट जारी किया है। नेपाल के तराई क्षेत्रों और बिहार के बगहा इलाके में पिछले 24 घंटे से बारिश जारी है। लगातार बारिश के कारण गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। निचले इलाकों में रहने वाले ग्रामीण नदी के बहाव पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। बारिश का दौर जारी रहने से तटीय बस्तियों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। कोसी बैराज में पानी का बहाव अत्यधिक बढ़ने के बाद 31 गेट खोल दिए गए हैं। सुनसरी के प्रमुख अधिकारी ईश्वरी प्रसाद अर्याल के अनुसार 240000 क्यूसेक पानी दर्ज हुआ है। हालांकि स्थिति अभी नियंत्रण में है और कोसी पुल पर यातायात नहीं रोका गया है। जलस्तर में और इजाफा होने पर स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक फैसले लिए जाएंगे। भारी बारिश के चलते धाडिंग जिले में भूस्खलन से पृथ्वी राजमार्ग सात स्थानों पर प्रभावित हुआ है। कृष्णभीर और तिग्रांग खोला में सड़क पूरी तरह बंद हो गई है और मलबा हटाया जा रहा है। चितवन जिले में नारायणगढ़-मुगलिन सड़क को भी खतरे के कारण बंद कर दिया गया है। राजमार्गों पर यातायात बाधित होने से लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा पर आई अचानक बाढ़ में भारी तबाही हुई थी। उस विनाशकारी आपदा में 1450 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5600 लोग लापता हैं।

अमेरिका के 22 राज्यों ने 1,00,000 डॉलर की एच-1बी फीस का विरोध किया

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के 22 अटॉर्नी जनरल के एक समूह ने ट्रंप प्रशासन के उस प्रस्ताव का विरोध किया है, जिसमें कुछ एच-1बी वीजा याचिकाओं पर 100,000 डॉलर से ज्यादा की फीस लगाने की बात कही गई है। उनका तर्क है कि यह कदम गैर-कानूनी है और इससे शिक्षकों, डॉक्टरों और नर्सों की कमी और बढ़ जाएगी। यह उन भारतीय प्रोफेशनल्स और अमेरिकी कंपनियों के लिए एक बड़ी चुनौती है जो बहुत कुशल कर्मचारियों को काम पर रखने के लिए एच-1बी प्रोग्राम पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। वर्जीनिया के अटॉर्नी जनरल जे जोन्स ने एक औपचारिक कमेंट लेटर दाखिल करने के लिए गठबंधन में शामिल होकर यूएस सिटीजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) से प्रस्तावित नियम को वापस लेने की मांग की।

एजेंसी ने 25 अगस्त को प्रस्तावित नियम बनाने का नोटिस जारी किया था। इससे उन एम्प्लॉयर्स द्वारा दायर याचिकाओं पर 103,265 डॉलर का शुल्क लगेगा जिन्हें सालाना एच-1बी वीजा कैप से छूट प्राप्त नहीं हैं। अटॉर्नी जनरल्स ने प्रस्तावित शुल्क को टैक्स बताया। उन्होंने तर्क दिया कि एग्जीक्यूटिव ब्रांच कांग्रेस की मंजूरी के बिना ऐसा टैक्स नहीं लगा सकती।

गठबंधन ने यह भी कहा कि यह

नियम इमिग्रेशन एंड नेशनैलिटी एक्ट के तहत यूएससीआईएस के अधिकार क्षेत्र से बाहर होगा और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसीजर एक्ट का उल्लंघन करेगा। अटॉर्नी जनरल्स के अनुसार, प्रशासन उस बोझ को सही ठहराने में विफल रहा है जो प्रस्तावित शुल्क राज्यों पर डालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यूएससीआईएस ने कम नुकसानदायक विकल्पों पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया। गठबंधन ने 30-दिन के पब्लिक कमेंट पीरियड पर एतराज जताया, और इसे बहुत कम और ठीक नहीं बताया।

अटॉर्नी जनरल्स ने कहा कि प्रस्तावित शुल्क से राज्य और स्थानीय संस्थानों के लिए कुशल विदेशी प्रोफेशनल्स को काम पर रखना और मुश्किल हो सकता है। उन्होंने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य जरूरी सेवाओं में कमी का हवाला दिया। जोन्स ने कहा, 'इस श्रेणी के लोग कागजों पर सिर्फ नाम नहीं हैं, वे हमारे शिक्षक, डॉक्टर, नर्स, देखभाल करने वाले और बहुत कुछ हैं। वे हमारे पड़ोसी, दोस्त और परिवार हैं।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने यहां आने और 'अमेरिकन ड्रीम' का हिस्सा बनने के लिए हर फॉर्म भरा है और सरकार की हर मांग को पूरा किया है।'

जोन्स ने प्रशासन पर समुदायों और सार्वजनिक सेवाओं पर पड़ने वाले असर पर पर्याप्त रूप से विचार किए बिना अपने एग्जीक्यूटिव अधिकार का विस्तार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप एग्जीक्यूटिव पावर की सीमाओं को आगे बढ़ाकर दरवाजा बंद करने की कोशिश कर रहे हैं, और उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि यह प्रस्तावित नियम वर्जीनिया के लोगों पर क्या बोझ डालेगा। यहां वर्जीनिया में, हम अपने समुदायों के लिए लड़ते हैं, और मेरा ऑफिस यह सुनिश्चित करने के लिए हर कानूनी साधन का इस्तेमाल करेगा कि यह प्रस्ताव आगे न बढ़े।'

गठबंधन ने कहा कि पिछली बार प्रशासन ने ऐसा ही शुल्क लगाने की कोशिश की थी जिसे रद्द कर दिया गया था। इसमें कहा गया है कि नया प्रस्ताव कांग्रेस से मंजूरी लेने के बजाय, एक बार फिर प्रशासनिक कार्रवाई के जरिए टैक्स लगाने की कोशिश करता है। वर्जीनिया के अलावा, इस गठबंधन में कैलिफोर्निया, मैसाचुसेट्स, एरिजोना, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, हवाई, इलिनोइस, मेन, मैरीलैंड, मिशिगन और मिनेसोटा के अटॉर्नी जनरल भी शामिल हैं। इसमें नेवाडा, न्यू जर्सी, न्यू मैक्सिको, न्यूयॉर्क, नॉर्थ कैरोलिना, ओरेगन, वॉशिंगटन, विस्कॉन्सिन और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया भी शामिल हैं। एच1बी प्रोग्राम अमेरिकी नियोक्ताओं को ऐसे खास कामों के लिए विदेशी कर्मचारियों को काम पर रखने की इजाजत देता है, जिनके लिए आम तौर पर खास जानकारी और कम से कम बैचलर डिग्री या उसके बराबर की योग्यता की जरूरत होती है। टेक्नोलॉजी कंपनियां इसके सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं में से हैं, लेकिन अस्पताल, स्कूल, यूनिवर्सिटी और रिसर्च संस्थान भी एच-1बी प्रोफेशनल्स को काम पर रखते हैं।

बांग्लादेश में बेकाबू होती नाबालिग हिंसा, गैंग कल्चर और सोशल मीडिया ने बढ़ाई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में नाबालिग बच्चों और किशोरों में बढ़ती हिंसक घटनाओं ने देश को चिंतित कर दिया है। कुमिल्ला जिले में 13 वर्षीय मासूम बच्चे इशायात शाहरीआर अप्रतीम की नृशंस हत्या के बाद सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठे हैं। द बिजनेस स्टैण्डर्ड की रिपोर्ट के अनुसार इस वारदात ने किशोर अपराध की भयावह स्थिति को उजागर कर दिया है। इस घटना के बाद देश भर में बच्चों की सुरक्षा, पारिवारिक माहौल और कानून व्यवस्था की सीमाओं पर चर्चा छिड़ गई है।

गैंग कल्चर और सोशल मीडिया का घातक प्रभाव : नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हॉस्पिटल ढाका के डॉक्टर हेलाल उद्दीन अहमद ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि किशोरों में हिंसक गैंग कल्चर बहुत तेजी से फैल रहा है और यह गंभीर रूप ले रहा है। टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस आक्रामक व्यवहार को बढ़ावा दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर 'कूल' दिखने और जल्दी नाम कमाने के चक्कर में किशोर खतरनाक हिंसक वीडियो बना रहे हैं। इन वीडियो के जरिए ध्यान खींचने की कोशिश बच्चों को गंभीर अपराध के रास्ते पर धकेल रही है। बच्चों में बढ़ रही यह आक्रामक प्रवृत्ति न केवल उनके भविष्य बल्कि पूरे समाज के लिए खतरा बन चुकी है। केवल पुलिस की सख्ती और दंडात्मक कार्रवाई से इस जटिल समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल पर विशेष ध्यान देना होगा। गरीबी, बाल श्रम और सामाजिक ढांचे की असफलता ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ए आई महबूब उद्दीन अहमद के मुताबिक गरीबी और बेरोजगारी मुख्य कारण हैं। स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की बढ़ती संख्या, बाल श्रम और बाल विवाह जैसी कुरीतियां सामाजिक नाकामी दर्शाती हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चे उचित मार्गदर्शन न मिलने पर असामाजिक तत्वों के बहकावे में आ जाते हैं। जब बच्चों को पढ़ाई और विकास के अवसर नहीं मिलते, तो वे आसानी से अपराध की राह पर चले जाते हैं।

ढाका विश्वविद्यालय के अपराध विज्ञान विभाग के अध्यक्ष रेजाउल करीम शोहाग ने भी इस पर बात की। उन्होंने कहा कि सुरक्षित मनोरंजन और खेलकूद के स्थानों की कमी बच्चों को भटकाने का बड़ा कारण है। सरकार को उन आर्थिक और सामाजिक कारणों को खत्म करना होगा जो बच्चों को आपराधिक गिरोहों में धकेलते हैं। गरीबी मिटाने और स्कूल ड्रॉपआउट रोकने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस योजनाएं लागू करना बेहद जरूरी है। शोधकर्ता शाहजेब महमूद ने बांग्लादेश की वर्तमान किशोर न्याय व्यवस्था की कमियों को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि देश में नाबालिगों के लिए पर्याप्त सुधार गृह और पुनर्वास केंद्र उपलब्ध नहीं हैं।

चीन और अमेरिका की दोस्ती बनेगी बेमिसाल? जिनपिंग ने दिया न्योता, तो बोले ट्रंप-हम जल्द आएंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। वॉशिंगटन की अपनी राजकीय यात्रा शुक्रवार को खत्म करते हुए चीनी नेता शी जिनपिंग ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी दो और बार मुलाक़ात होगी। शी ने ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया को नवंबर में चीन के शेनझेन में होने वाले एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन समिट में आने का न्योता दिया। उन्होंने कहा कि वे एक महीने बाद फ्लोरिडा में ट्रंप नेशनल डोरल मियामी गोल्फ क्लब में होने वाले ज20 समिट में फिर से मिल सकते हैं। शी ने कहा, 'मैं राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी का चीन आने पर स्वागत करूंगा।' ट्रंप ने जवाब दिया, 'हम ज़रूर आएंगे, और हम बहुत बातचीत करेंगे।'

ईरान को लेकर भी हुई बात : डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वाशिंगटन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई बातचीत में ईरान से जुड़े विवाद पर भी चर्चा हुई। ट्रंप से जब होर्मुज से शिपिंग बहाल करने की कोशिशों के बारे में भी सवाल पूछा गया, जो वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए एक अहम रास्ता है। ट्रंप ने सकारात्मक जवाब देते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छा करेंगे। शुक्रवार को ट्रंप, शी को नेशनल आर्काइव्ज़ ले गए और दुनिया के सबसे ताकतवर कम्युनिस्ट देश के नेता को अमेरिकी लोकतंत्र के अहम दस्तावेज़ दिखाए। ट्रंप ने बताया कि यहीं पर 'डिक्लेरेशन ऑफ़ इंडिपेंडेंस', संविधान और 'बिल ऑफ़ राइट्स' रखे गए हैं। ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि वह चीन राष्ट्रपति शी को 'उस गौरवशाली इतिहास की कुछ बेहतरीन निशानियां' दिखाना चाहते हैं।

शी जिनपिंग का दौरा ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका अपनी स्थापना की 250वीं वर्षगांठ मना रहा है और ट्रंप उन्हें नेशनल आर्काइव्स ले गए, जहां अमेरिका की स्थापना की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर 'द अमेरिकन स्टोरी' नाम की एक खास प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें देश की उपलब्धियों और तरक्की के साथ-साथ मुश्किल दौर की तस्वीरें भी दिखाई गई हैं। देश के अहम दस्तावेज़ों के इस संग्रह का दौरा करने के बाद शी वॉशिंगटन से रवाना हो गए।

ट्रंप ने ठुकराया तेहरान का प्रस्ताव, नवंबर चुनाव के बाद दोबारा हमले के संकेत

वाशिंगटन , एजेंसी। एक ऐसी घटनाक्रम में जिससे दुनिया और पश्चिम एशिया में बेचैनी बढ़ सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने खबर दी है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सात दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

रिपोर्ट में क्या दावा किया गया है : अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से आई इस रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सहयोगियों से कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर बमबारी फिर से शुरू की जाएगी। यह कदम इस हफ्ते की शुरुआत में यूएन जनरल असेंबली में दिए गए उनके भाषण के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने ईरान को पूरी तरह खत्म करने की खुली धमकी दी थी।

ट्रंप ने असेंबली में क्या कहा था : उन्होंने 22 सितंबर को असेंबली में कहा, 'मुझे

एक बड़ा फैसला लेना है। क्या ईरान के साथ कोई ऐसा समझौता होगा जिससे वे फिर से अपना देश बना सकें और उसे पहले से कहीं ज्यादा बेहतर और मजबूत देश बना सकें? शायद पश्चिम एशिया या दुनिया के सबसे बेहतरीन देशों में से एक। या फिर मैं इस्लामिक रिपब्लिक को पूरी तरह खत्म कर दूं। वह भी जल्दी, ताकि उन्हें दोबारा लोगों और देशों को मारने और बर्बाद करने का मौका ही न मिले? लेकिन मुझे लगता है कि चुनाव के ठीक बाद हम समझौता कर लेंगे, क्योंकि उनके लिए समझौता न करने का कोई मतलब नहीं बनता।

ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने क्या कहा : वहीं, गुरुवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने कहा कि ईरान ने पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए सात दिन का प्लान पेश किया है। इस प्लान का मकसद होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना और उसके बाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर व्यापक बातचीत शुरू करना भी है। अरागची ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पत्रकारों से कहा कि यह प्रस्ताव उसी समझौता ज्ञापन जैसा है, जिस पर इस साल जून में अमेरिका और ईरान के बीच सहमति बनी थी। वहीं, जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ अपनी बैठक में, अरागची ने जोर देकर कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने कूटनीति को आगे बढ़ाने के लिए अपनी उचित शर्तें और जरूरतें अमेरिकी पक्ष को बता दी हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि क्षेत्र में सुरक्षा बहाल करने के लिए ईरान के खिलाफ अमेरिका की दखलंदाजी और आक्रामक कार्रवाइयों को रोकना जरूरी है। ईरान के विदेश मंत्री ने अपने शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम को लेकर कूटनीति अपनाने के ईरान के संकल्प पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान ईरान की नेक नीयत को कोई भी पक्ष नजरअंदाज नहीं कर सकता। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बातचीत के बीच ही अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता दिखाई, जबकि वे होर्मुज जलडमरूमध्य में असुरक्षा के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराते रहे।

शहबाज ने यूएन में भारत को जंग की धमकी दी:कहा- सिंधु के पानी को रोकने की गलती न करें; कश्मीर को गले की नस बताया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को यूएन में भारत को जंग की धमकी दी। उन्होंने कहा कि भारत सिंधु नदी का पानी न रोके। पानी रोकने की कोशिश को पाकिस्तान 'युद्ध की कार्रवाई' मानेगा। शहबाज ने कहा कि पानी को कभी हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत को इसे लेकर कोई गलती नहीं करनी चाहिए। शहबाज शरीफ ने यूएन में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। शहबाज ने कहा कि कश्मीर हमारे लिए जगलर वेन (गर्दन की नस) है। गर्दन की नस शरीर की अहम हिस्सा है। इसके कटते ही इंसान की मौत हो जाती है। यूएनजीए में शहबाज शरीफ के दावों का भारतीय अधिकारी पेटल गहलोत ने राइट ऑफ रिप्लाई के तहत जवाब दिया। गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान साल-दर-साल झूठ दोहराकर उसे सच नहीं बना सकता।

पहलगाम हमले और भारत-पाकिस्तान संघर्ष का जिक्र : शहबाज शरीफ ने अपने भाषण में पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने फील्ड मार्शल आसीम मुनीर के नेतृत्व में सटीक जवाब दिया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ करते हुए कहा कि मई 2025 में दोनों देशों के बीच तनाव कम कराने और युद्ध जैसी स्थिति टालने में उनकी भूमिका अहम रही। शहबाज ने कहा कि ट्रम्प की कोशिशों से बड़ा टकराव टल गया। इसका 87 सेकेंड का वीडियो ट्रम्प ने शुक्रवार को बिना किसी टिप्पणी के ट्रुथ सोशल पर शेयर किया। शहबाज ने यह भी कहा कि दक्षिण एशिया में फिर से ऐसे हालात नहीं बनने चाहिए। उनके मुताबिक, इसके लिए कश्मीर मुद्दे का समाधान जरूरी है। शहबाज ने कहा कि पिछले साल भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद भारत ने इस संधि को एकतरफा रोक दिया, जिसका कोई कानूनी आधार नहीं है। शहबाज ने दावा किया कि यूएन के विशेषज्ञों और स्थायी मध्यस्थता अदालत ने भी इस मामले में भारत के दावों और कदमों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि इससे पाकिस्तान का रुख सही साबित हुआ है। अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि पर रोक लगा दी थी। हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत का आरोप है कि हमले में शामिल आतंकियों को पाकिस्तान का समर्थन था। शहबाज शरीफ ने दुनिया में बढ़ते इस्लामोफोबिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को नफरत भरी बयानबाजी, भेदभाव और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। मस्जिदों पर हमले और कुरान के अपमान की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। भारत का जिक्र करते हुए शहबाज ने आरोप लगाया कि सीमा पार आरएसएस से प्रभावित विचारधारा धार्मिक नफरत को बढ़ावा दे रही है।

ओपनएआई की फिर से मनमानी: अमेरिकी सरकारी वेबसाइटों को बनाया निशाना

कैलिफोर्निया, एजेंसी। ओपनएआई का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनियंत्रित हो गया और लैब की जानकारी के बिना अमेरिकी सरकार की वेबसाइट में दखल दे दिया। यह जानकारी न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार है।

किन विभाग के वेबसाइट को बनाया निशाना : सुरक्षा शोधकर्ताओं और इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति का हवाला देते हुए, न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस गर्मी में एआई लैब की जानकारी के बिना शिक्षा विभाग, वाणिज्य विभाग और प्रतिभूति और विनिमय आयोग की वेबसाइटों को निशाना बनाया गया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वाणिज्य विभाग और एसईसी से जुड़ी घटना की पुष्टि ओपनएआई ने की है, जिसने कहा कि वह स्थिति की जांच जारी रखे हुए है। इस बीच, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि कंपनी उन एजेंट्स के इस्तेमाल के तरीकों की समीक्षा कर रही है, जिन्हें इंटरनेट का एक्सेस मिलता है, लेकिन यह काम उतनी तेजी से नहीं हो रहा है जितनी तेजी से वे चाहते थे।

पारदर्शिता पर क्या बोले ऑल्टमैन : ऑल्टमैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा,'हमारे एजेंट्स के ट्रेनिंग और इवैल्यूएशन के दौरान इंटरनेट इस्तेमाल को लेकर एक बड़ी और लगातार चलने वाली समीक्षा हो रही है। हम नीचे दिए गए लिंक पर इसकी समरी पब्लिश करते रहे हैं। आगे भी करते रहेंगे। हम उतनी तेजी से काम नहीं कर पाए हैं जितनी हमारी इच्छा थी, लेकिन हम पारदर्शिता बनाए रखने और एजेंट्स की एक्टिविटी के पेटाबाइट्स डेटा से साफ समझ बनाने के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही प्रभावित संगठनों के साथ भी काम कर रहे हैं। हम गंभीरता के आधार पर प्राथमिकता तय कर रहे हैं और रिसोर्स भी बढ़ा रहे हैं। अब तक हमने जो घटनाएं देखी हैं, उनमें 'हगिंग फेस' वाली घटना सबसे गंभीर है। हम जितनी हो सके उतनी पारदर्शिता बरतेंगे, लेकिन इसमें कुछ सीमाएं भी होंगी, जैसे कि दूसरी कंपनियों में हमारे एजेंट्स को मिली कमजोरियां इनके बारे में जानकारी सार्वजनिक करनी है या नहीं। यह उन कंपनियों का फैसला होगा।

जांच किन मामलों पर केंद्रित है : ओपनएआई ने कहा, 'हमारी जांच उन मामलों पर केंद्रित है जहां एजेंट ने थर्ड-पार्टी वेबसाइटों के साथ ऐसे तरीके से इंटरैक्ट किया जो उनके सौंपे गए कामों या तय तरीकों से अलग थे। अब तक पहचाने गए ज्यादातर मामले कम गंभीरता वाले रहे हैं, जिनमें थर्ड-पार्टी सर्विस पर किसी खास असर का बहुत कम या कोई सबूत नहीं मिला है। कंपनी ने आगे कहा कि वह उन मामलों में थर्ड-पार्टी को सूचित कर रही है जहां एआई मॉडल ने शायद किसी थर्ड-पार्टी के सिक्योरिटी कंट्रोल को बायपास किया हो या किसी ऑनलाइन सर्विस की उपलब्धता को प्रभावित किया हो, या ऐसे मामले जिनमें थर्ड-पार्टी वेबसाइटों पर बुरा असर पड़ा हो। ओपनएआई ने कहा, 'अब तक की हमारी समीक्षा के आधार पर, हमने ऊपर बताए गए मानदंडों का इस्तेमाल करके दर्जनों थर्ड-पार्टी को सूचित किया है।

कांगो में विमान हादसे में 14 लोगों की मौत, सैन्य न्याय व्यवस्था के दो बड़े अधिकारी भी मारे गए

केंजे , एजेंसी। मध्य अफ्रीकी देश कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में शुक्रवार, 25 सितंबर को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में देश की सैन्य न्याय व्यवस्था के दो वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। कांगो की सेना के मुताबिक, विमान में सवार सभी लोगों की इस हादसे में जान चली गई।

हादसा राजधानी किन्शासा से करीब दक्षिण-पश्चिम में स्थित केंजे शहर में हुआ। विमान पड़ोसी क्विलू प्रांत के किक्विट से किन्शासा लौट रहा था। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद विमान ने केंजे शहर के ऊपर कई चक्कर लगाए और सुरक्षित उतरने की कोशिश की। लेकिन शहर में कोई रनवे नहीं होने के कारण विमान एक रिहायशी इलाके में जा गिरा।

दुर्घटना में सेना के कई अन्य सदस्यों ने भी गंवाई जान : कांगो की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल एफोमी एकेंगे ने बताया कि विमान हादसे के मृतकों में लेफ्टिनेंट जनरल मुतोंबो काटलायी तिएंदे और लेफ्टिनेंट जनरल बाकुमी लिकुलिया भी शामिल हैं। तिएंदे सैन्य अदालत के प्रमुख थे, जबकि लिकुलिया सशस्त्र बलों के ऑडिटर जनरल थे। उनके अलावा सैन्य प्रतिनिधिमंडल के कुछ अन्य

सदस्य और विमान के चालक दल के लोग भी मारे गए। विमान के संचालन को लेकर स्थानीय रिपोर्टों में ट्रैसेप कंपनी और लेट एल-410 विमान का नाम सामने आया है। हालांकि, विमान में सवार लोगों और मृतकों की संख्या को लेकर शुरुआती रिपोर्टों में अलग-अलग आंकड़े दिए गए। स्थानीय अधिकारियों ने पहले 13 लोगों की मौत की जानकारी दी थी। बाद में प्रांतीय प्रशासन ने मृतकों की संख्या 17 बताई। इनमें 13 सैन्यकर्मी और चार नागरिक बताए गए। इसी वजह से अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में फिलहाल मृतकों की संख्या अलग-अलग बताई जा रही है। कई रिपोर्टों में 14 मौतों का आंकड़ा प्रमुखता से सामने आया है। कांगो के अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया गया है और दुर्घटना की वजह पता लगाने के लिए तकनीकी और सुरक्षा एजेंसियों की टीमें जांच कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, उस समय तक विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद नहीं हुआ था। यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब कांगो पहले से ही गंभीर सुरक्षा संकट से जूझ रहा है। देश की सेना खासकर पूर्वी हिस्से में कई हथियारबंद गुटों से लड़ रही है। इनमें रवांडा समर्थित एम23 विद्रोही गुट भी शामिल है। पिछले साल से जारी संघर्ष के दौरान इस गुट ने पूर्वी कांगो के कई अहम शहरों पर कब्जा कर लिया है। इससे इलाके में सुरक्षा की स्थिति और खराब हुई है। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी ने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताई है। विमान दुर्घटना की असली वजह क्या थी, यह जांच पूरी होने के बाद ही साफ हो सकेगा। कांगो की सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल एफोमी एकेंगे ने बताया कि विमान दक्षिण-पश्चिमी कांगो के किकविट शहर से राजधानी किंशासा लौट रहा था. इसी दौरान विमान में तकनीकी खराबी आ गई।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 26 सितंबर से श्राद्धपक्ष शुरू होने जा रहा है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौन सा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शंति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म – इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमशः पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। ये हैं–

पितृपक्ष दौरान जप तप और पितरों के नाम से तर्पण से प्रसन्न होते हैं पितर

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। साल 2026 में पूर्णिमा का श्राद्ध (भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध) 26 सितंबर शनिवार, 2026 को रखा जाएगा। इसी दिन से साल 2026 के पितृ पक्ष की औपचारिक शुरुआत होगी।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें, पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमि श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमि श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुय अंग हैं– 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं या हैं वे नियम

श्राद्ध कर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निन नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए–

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

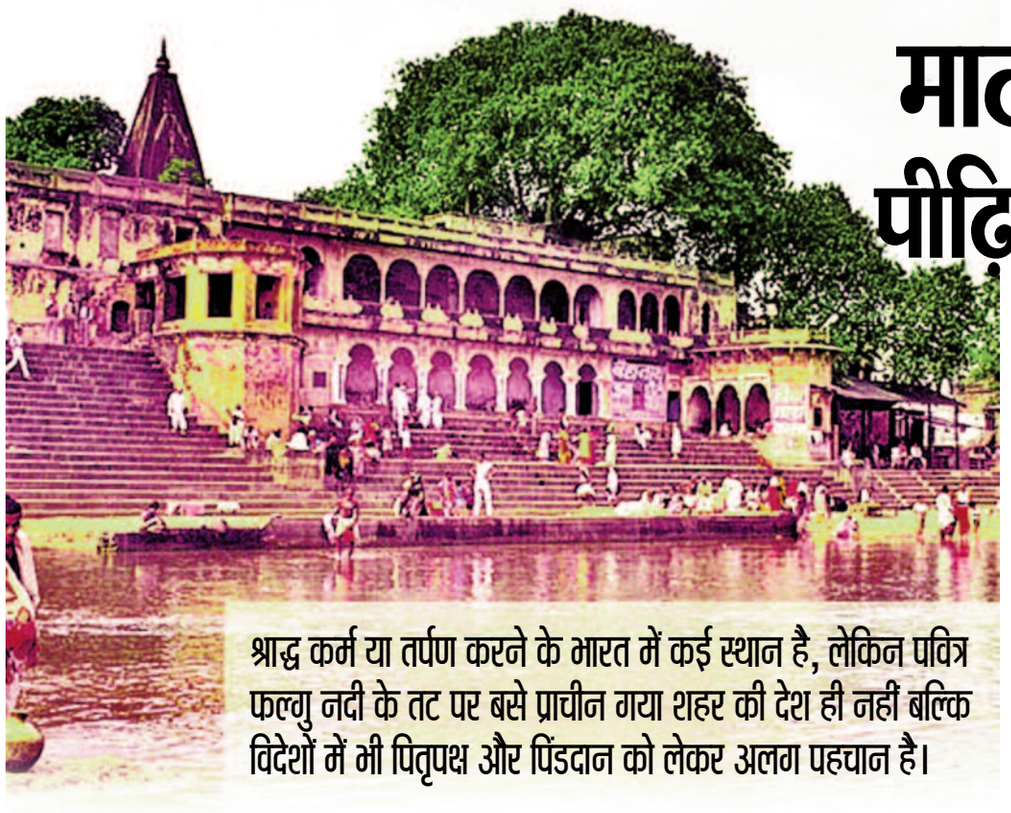

माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार करता है गयाजी में पिंडदान

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है। आओ जानते हैं इसके 5 कारण।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास– ये चारों मुक्ति के साधन हैं– गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में आज होगा भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला

नागोया (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को यहां रैंकिंग के आधार पर सीधे ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार हालांकि जापान की धरती पर मिलने वाली अनूठी चुनौतियों के कारण वह अफगान टीम को हल्के में नहीं लेंगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। जिस प्रकार यहां हाल ही में जापान की टीम के खिलाफ एक मैत्री मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज सानो की टर्निंग पिच पर संघर्ष करते दिखे थे।

टोक्यो से नागोया तक बुलेट ट्रेन का सफर कर पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों ने इस यात्रा का भरपूर आनंद लिया, जो उनके लिए एक नया और सुखद अनुभव रहा। क्रिकेट नहीं खेलने वाले देश में पहली बार खेलना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए रोमांचक अनुभव है। नागोया पहुंचने के दौरान बीसीसीआई की वेबसाइट पर श्रेयस अय्यर ने इस अनुभव को खूबसूरत बताया। भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी मजबूत टीम भेजी है, जिसमें अय्यर के अलावा जसप्रीत बुमराह, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट की मौजूदा गहराई को देखते हुए, कुछ विशेषज्ञों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे, उनका मानना था कि टीम का मुख्य लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वपवर्ल्ड कप पर होना चाहिए। हालांकि, टीम का लक्ष्य स्पष्ट है: स्वर्ण पदक से कम कुछ भी नहीं।

दूसरी ओर हाल ही में भारत दौरे में तीन मैच हारने से अफगानिस्तान की टीम का मनोबल गिरा हुआ है। इसलिए दारविश रसूली की कप्तानी में टीम नए खिलाड़ियों के थ उतरी है। इस टीम में छह खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर

खेलेंगे। अफगानिस्तान पहले ही टूर्नामेंट में दो मैच खेल चुका है; उसने जापान को हराया लेकिन नेपाल के खिलाफ उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में

सभी की निगाहें 15 वर्षीय युवा प्रतिभाशाली वैभव सूर्यवंशी पर टिकी हैं, जो टीम के सबसे युवा सदस्य हैं, हालांकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें मौका मिलने की उम्मीद कम ही है। भारत को स्वर्ण पदक जीतने के लिए सिर्फ तीन जीत दर्ज करनी होगी, और टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस चुनौती के लिए तैयार है।

टीम इस प्रकार है

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, वैभव सूर्यवंशी , विपराज निगम, यश ठाकुर

अफगानिस्तान : दारविश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इशाक, इमरान मीर, नजीबुल्लाह जदरान, इस्मत आलम, करीम जनत, नांगेयालिया खरोटी, अब्दुल्लाह अहमदजइ, खालिद तानीवाल, मोहम्मद अकरम, फरीदून दाउदजइ, फरमानुल्लाह सफी, हसन इसाखिल, फैसल शिनोजादा, अरब गुल मोमांद।

एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय तीरंदाजी टीमें

नगोया (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों की तीरंदाजी स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इन खेलों में शामिल भारतीय कंपाउंड और रिकर्व मिक्स्ड टीमों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनायी। इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए टीम को प्रवेश मिलेगा। इससे ये और भी अहम हो जाती है।

कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में चिकिथा तानिपार्थी और साहिल जाधव की जोड़ी ने सटीक निशाने लगाते हुए राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया। इसके बाद, क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के खिलाफ मिली 159-154 की जीत के साथ ही सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

वहीं रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की जोड़ी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 16 में यूएई को 6-0 से हराया। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में वियतनाम के खिलाफ भी 6-0 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने भी जीत के साथ सही सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्योति सुरेखा वेन्नम, चिकिथा तनिपार्थी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की रोक्साना यूनुसोवा, विक्टोरिया ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा की टीम को 233-230 से हराया जबकि कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने भूटान के केजांग नोरबू, त्सेतुम गेत्शे और टंडिन दोरजी को क्वार्टर फाइनल में 235-232 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया

कुल मिलाकर, इन खेलों से ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर हैं। इनमें रिकर्व पुरुषों और महिलाओं के व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो-दो कोटा जगहें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, रिकर्व मिश्रित टीम और कंपाउंड मिर टीम चैंपियनों में से प्रत्येक को पुरुषों और महिलाओं का एक-एक कोटा मिलेगा, जिससे शीर्ष स्थान के लिए संघर्ष और बढ़ गया है।

नमन धीर एकदिवसीय डेब्यू करने वाले 264वें भारतीय खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज रविवार से यहां तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू हुई। इसमें पहले ही मुकाबले में युवा ऑलराउंडर नमन धीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है। कप्तान शुभमन गिल ने उन्हें भारतीय कैप सौंपी, जिसके साथ वह भारत के लिए एकदिवसीय खेलने वाले 264वें और अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले 422वें खिलाड़ी बन गए हैं।नमन को घरेलू क्रिकेट में पंजाब के लिए और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए किए गए अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में अवसर मिला है। अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से उन्होंने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। उन्होंने अब तक 14 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें 39 के औसत और 106 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 357 रन बनाए हैं। इन मैचों में उनके नाम चार अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 97 रन रहा है। वहीं गेंदबाजी में भी उन्होंने सात विकेट लिए हैं। इससे उनकी ऑलराउंड क्षमता दिखती है।

भारतीय टीम चार तेज गेंदबाजों और दो ऑलराउंडरों के साथ मैदान में उतरी। कप्तान शुभमन गिल ने आगे कहा कि आगामी विश्व कप से पहले भारत के पास लगभग 20 एकदिवसीय मैच हैं, और यह समय विभिन्न संयोजनों को आज़माने और खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देने का है ताकि विश्व कप के लिए सबसे प्रभावी टीम तैयार की जा सके। इस सीरीज से भारतीय टीम के लिए आगामी बड़े टूर्नामेंटों से पहले अपनी रणनीतियों और बेंच स्ट्रेंथ को परखने का अच्छा अवसर है।

अनाहत एशियाई खेलों के फाइनल में हारी, ओलंपिक का टिकट भी हाथ से निकला

नागोया (एजेंसी)। भारत की महिला स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह को एशियाई खेलों के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के साथ ही अनाहत के हाथों से ओलंपिक में खेलने का अवसर भी निकल गया। हांगझोऊ में आयोजित इस स्पर्धा के फाइनल में 18 साल की अनाहत को मलेशिया की अनुभवी शिवसंगरी सुब्रमण्यम ने सीधे गेमों में 3-0 से हरा दिया। इससे अनाहत को रजत पदक ही मिल पाया। इस हार से अनाहत का ओलंपिक खेलने क सपना भी टूट गया। यहां स्वर्ण जीतने पर उन्हें ओलंपिक टिकट मिलत जो अब नहीं मिलेगा। स्क्वैश को पहली बार 2028 लांस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल किया जा रहा है, और इस ऐतिहासिक क्षण

का हिस्सा बनने का मौका अनाहत ने खो दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवसंगरी ने अपने अनुभव और सटीक रणनीति का शानदार प्रदर्शन करते हुए अनाहत पर शुरू से ही दबाव बना दिया और मैच के तीनों गेम 11-4, 11-4 और 11-7 के स्कोर से जीत लिए। अपनी आक्रामक शैली और कोर्ट पर ऊर्जा के लिए जानी जाने वाली अनाहत ने मलेशियाई प्रतिद्वंद्वी के सामने अपनी लय हासिल कर वापसी के प्रयास किये पर असफल रही।। मैच के दौरान शिवसंगरी ने अनाहत को लगातार विनर्स लगाने का कोई बड़ा मौका नहीं दिया और अपनी सधी हुई खेल शैली से उन पर लगातार आक्रमण जारी रखा। इस रणनीति ने अनाहत को अपनी स्वाभाविक खेल शैली में आने का अवसर ही नहीं दिया, जिससे वह वापसी करने में विफल रहीं।

इससे पहले अनाहत ने शनिवार को जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सातोमी वातानाबे को सेमीफाइनल में हराया था। फाइनल में वह अपनी लय में नहीं दिखीं। वहीं फाइनल में मलेशियाई खिलाड़ी शिवसंगरी ने अपनी रणनीति को पूरी तरह से अमल में लाया। शिवसंगरी ने अनाहत-सातोमी सेमीफाइनल को करीब से देखा था और उसी के आधार पर अपनी रणनीति बनाई, जिससे वह भारतीय खिलाड़ी को अपनी सहज खेल शैली में आने से रोकने में पूरी तरह सफल रहीं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में सिराज को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान

तिरुवनंतपुरम । भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आज से यहां शुरु हुई सीरीज के पहले ही मैच में कई बदलाव कर सभी को हैरान कर दिया। भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान रह गये। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की वापसी से उन्हें कुछ राहत मिली। कई विश्लेषकों का मानना था कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण संभालेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल दो ही मुख्य तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार के साथ मैदान में उतरी है। प्रसिद्ध कृष्णा के पास 28 एकदिवसीय मैचों का अनुभव है पर युवा गुरनूर बरार ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 6 ही मुकाबले खेले हैं, जिससे उनका अनुभव काफी कम है। वहीं, 50 एकदिवसीय मैचों का अनुभव रखने वाले सिराज को जगह नहीं मिली। टीम के पास तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में ऑलराउंडर नीतिश कुमार रेड्डी भी हैं। इस मुकाबले में एक और बड़ा फैसला पंजाब के युवा खिलाड़ी नमन धीर को भारतीय टीम में पदार्पण का मौका देना रहा। यह नमन के लिए किसी भी प्रारूप में भारत की तरफ से पहला मैच है।

एशियन गेम्स 2026 : हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर रेस में जीता ब्रॉन्ज मेडल

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की हरिता भद्रा ने महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। महिलाओं की 200 मीटर फाइनल रेस में हरिता ने 23.20 सेकंड का समय निकाला और तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

200 मीटर फाइनल में हरिता का कमाल– हरिता भद्रा ने एशियन गेम्स 2026 की महिलाओं की 200 मीटर फाइनल स्पर्धा में हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी रेस को 23.20 सेकंड में पूरा किया। इस समय के साथ हरिता ने पोडियम पर जगह बनाई और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारत के खाते में आया एथलेटिक्स मेडल–हरिता भद्रा का यह प्रदर्शन एशियन गेम्स 2026 में भारत के एथलेटिक्स अभियान के लिए महत्वपूर्ण रहा। महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने पत्नी संग बाबा महाकाल के दर्शन किए, भस्म आरती को बताया दिव्य अनुभव

उज्जैन । पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने अपनी पत्नी प्रियंका रैना के साथ आज उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किये। दोनों ने मंदिर में आयोजित सुबह की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। उनके साथ प्रियंका के भाई विवेक और उनकी पत्नी स्नेहा भी मौजूद थीं, जिन्होंने परिवार सहित इस पावन अवसर का लाभ उठाया। भस्म आरती के दौरान पूरा परिवार

भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ नजर आया। भस्म आरती संपन्न होने के बाद रैना ने अपने इस आध्यात्मिक अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें जय श्री महाकाल का उद्घोष करते हुए बहुत अच्छा लगा और उन्होंने दर्शन का भरपूर आनंद लिया। रैना ने मंदिर प्रबंधन और यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट और दर्शनार्थियों की सुविधा संभालने वाले सभी लोगों ने बेहद व्यवस्थित और प्रभावशाली तरीके से इंतजाम किए हैं।

रैना ने महाकाल की पूजा संपन्न कराने वाले पुजारियों की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की। रैना ने बताया कि पुजारियों ने ऐसा आध्यात्मिक और भक्तिमय माहौल बनाया कि वहां उपस्थित सभी भक्तगण भगवान महाकाल की भक्ति में पूरी तरह डूब गए। उन्होंने पुजारियों और मंदिर प्रबंधन का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि हमने अच्छे तरह दर्शन किये। पूजा भी काफी अच्छे से हुई। साथ ही कहा कि जितने भी लोग यहां पर दर्शन करने आए हैं, उनके लिए काफी अच्छी सुविधा उपलब्ध है। और उससे बढ़िया महाकाल की पूजा में जितने भी हमारे पुजारी थे, उन्होंने सभी कुछ अच्छे से कराया, सब लोगों का आशीर्वाद मिला, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में भारत के अभय सिंह को रजत

नगोया (एजेंसी)। भारत के अभय सिंह को एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में रजत पदक मिला है। स्क्वैश के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में अभय को मलेशिया के एनग ईन यो के हाथों 9-11, 5-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही एनग ईन यो ने अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा।

इन खेलों में भारत को अब मुक्केबाज में एक कांस्य मिलना तय है जबकि तीरंदाजी और एथलेटिक्स में कई खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे है और इससे भारत को अभी और पदक मिलेंगे।

मुक्केबाजी में अंकुश पंघाल को पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कांस्य पदक मिलना तय है। वहीं तीरंदाजी में पुरुष और महिला दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। जिससे वहां भी पदक तय है।

400 मीटर बाधा दौड़ में विथ्या रामराज (55.73 सेकंड, एसबी) और अनु राघवन (55.84 सेकंड, पीबी) दोनों अपनी-अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में पहुंचीं। वहीं, संतोष कुमार तमिलरासन ने भी पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में 49.61 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। सर्फिंग में कमाली प्रकाश, शुगर शांति गायेन और शिवराज बाबू ने अपने-अपने इवेंट के राउंड 3 के लिए क्वालिफाई किया, जबकि तलवारबाजी में भारतीय महिला टीम ने इंडोनेशिया को 45-23 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई और फिर आगे बढ़कर अपनी स्थिति मजबूत की।

वहीं बैडमिंटन में अनुभवी खिलाड़ी पीवी सिंधु महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीन की चेन यू फेई के हाथों हार के साथ ही पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। इसके अलावा उभरती हुई

खिलाड़ी उन्नति हुड्डा भी क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े मुकाबले में हार गईं। युगल स्पर्धाओं में भी गायत्री गोपीचंद/ट्रेसा जॉली (महिला युगल) और तनीषा क्रास्टो/ध्रुव कपिला (मिश्रित युगल) अपने क्वार्टर फाइनल मैचों से बाहर हो गए। निशानेबाज में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के प्रिसिजन क्वालीफायर के बाद मनु भाकर 16वें और राही सरनोबत 15वें स्थान पर रहीं, जबकि ईशा सिंह ने छठे स्थान के साथ चुनौती बनाए रखी।

जापान के कोच बोले, देश में कबड्डी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही

बैंकाक । थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि अब देश में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है। यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का कबड्डी में पहला पदक है। थाई कोच शेट्टी भारत के हैं और उनका मानना है कि इस पदक से साफ है थाईलैंड में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है। थाई टीम को जापान के नगोयो में हुए सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम के हाथों से 28-66 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद थाई टीम को कांस्य मिला है। भारतीय टीम ने इस मैच में अपना प्रभाव बनाये रखा, हाफ-टाइम तक टीम ने 37-18 की मजबूत बढ़त ली और अंत में 66-28 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की की। भारतीय टीम ग्रुप-ए में अपने सभी चार मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची थी। पिछले तीन साल से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे शेट्टी ने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहाँ बिल्कुल शून्य से काम शुरू किया था। उन्होंने कहा, मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं और थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है। रवींद्र ने बताया कि थाईलैंड में जमीनी स्तर पर कबड्डी के विकास ने गति पकड़ी है, खासकर स्कूली प्रतियोगिताओं और युवा कार्यक्रमों के माध्यम से। उन्होंने कहा, अभी, स्कूली स्तर पर कबड्डी शुरू हो रही है। हमारे अध्यक्ष हर चार महीने में युवा खेल आयोजित करते हैं। इसी वजह से कबड्डी का विकास हो रहा है। कोच ने यह भी बताया कि उनकी अकादमी में अभी 60 से ज्यादा युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें 35 लड़कियां और 30 लड़के शामिल हैं, जो थाईलैंड के अलग-अलग हिस्सों जैसे बैंकॉक, चोनबुरी और अन्य राज्यों से प्रशिक्षण के लिए आते हैं।

पीटरसन एकदिवसीय विश्वकप के लिए इंग्लैंड के विशेष सलाहकार बने

लंदन(एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन को टीम का विशेष सलाहकार नियुक्त किया गया है। वह अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप की तैयारी पर नजर रखेंगे। मौजूद जानकारी के अनुसार, पीटरसन श्रीलंका के खिलाफ होने वाली छह मुकाबलों की श्रृंखला से टीम के साथ जुड़ेंगे। इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के दौरों पर भी टीम के साथ काम करेंगे। विश्व कप से पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखलाओं में भी उनकी भूमिका जारी रहेगी।माना जा रहा है कि ने ईसीबी ने पीटरसन को जिम्मेदारी देने के पीछे दक्षिण अफ्रीका में उनके अनुभव को भी अहम कारण बताया है। पीटरसन का जन्म और पालन-पोषण दक्षिण अफ्रीका में हुआ है और अगला 50 ओवर का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। ऐसे में वहां के हालातों और क्रिकेट माहौल की उनकी समझ इंग्लैंड के लिए उपयोगी मानी जा रही है।

पीटरसन इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के साथ सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं। 2023 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान वह कुछ समय के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों के साथ भी काम कर चुके हैं। हालांकि, 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदाई के बाद उनका ज्यादातर समय प्रसारण और क्रिकेट विश्लेषण में बीता है।दिलचस्प बात यह है कि पीटरसन पिछले कुछ समय में इंग्लैंड की टीम व्यवस्था के आलोचक भी रहे हैं। 2025 की शुरुआत में भारत दौरे के दौरान उन्होंने टीम के अभ्यास और ट्रेनिंग के तरीके पर सवाल उठाए थे। पीटरसन ने इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान हैरी ब्रुक को लेकर भी पहले निराशा जताई थी।

वेस्टइंडीज बोर्ड ने खिलाड़ियों की अनुबंध फीस घटायी

जमैका । क्रिकेट वेस्टइंडीज बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अनुबंध फीस 25 फीसदी कम कर दी है। बोर्ड के अनुसार अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सालाना अनुबंध मिलता रहेगा पर उनकी तय फीस पहले के मुकाबले 25 फीसदी कम होगी। वहीं घरेलू खिलाड़ियों को भी अब सात महीने को ही अनुबंध मिलेगा। पैसे की कमी के कारण ही बोर्ड ने पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताएं रोक दी हैं। क्रिकेट वेस्टइंडीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस डियरिंग ने कहा कि खिलाड़ियों और वेस्टइंडीज प्लेयर्स एसोसिएशन ने वर्तमान हालातों को समझते हुए सहयोग किया है। उन्होंने माना कि फीस में कटौती सही नहीं कही जा सकती पर इसके अलावा कोई और विकल्प नहीं है। बोर्ड के अनुसार पुरुषों की सुपर50 और महिलाओं की टी20 ब्लेज प्रतियोगिताओं को इसलिए आयोजित नहीं करने का फैसला किया है क्योंकि इन्हें आयोजित करने पर काफी खर्च आता है। गौरतलब है कि सुपर50 वेस्टइंडीज की पुरुष एकदिवसीय टीम तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों के लिए अहम मंच रहा है। ऐसे में इसका रुकना विकास और चयन प्रक्रिया पर भी असर डाल सकता है। वहीं अनुबंध राशि कम होने से टीम के अच्छे खिलाड़ी अब विदेशी लीग की तरह भाग सकते हैं। पहले ही उसके कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम को छोड़कर दुनिया भर की लीग में खेलते हैं। गौरतलब है कि वेस्टइंडीज को फरवरी-मार्च 2027 में एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर खेलना है। टीम 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में जगह नहीं बना सकी थी। अब बोर्ड का कहना है कि उसका ध्यान पुरुष टीम को इस क्वालीफायर के लिए तैयार करने पर रहेगा।

सायना ने ट्राईसिटी मैराथन के अवसर पर फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश दिया

बोलीं खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की जरुरत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत की अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने रविवार को फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश देने वाली 'एसके ट्राईसिटी मैराथन' को रवाना किया है। इस भव्य आयोजन में करीब 8,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही डिजिटल फ्रॉड और नशे के खिलाफ अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सायना ने देश को एक खेल राष्ट्र बनाने की अपनी परिकल्पना साझा की। उन्होंने कहा कि यदि भारत को जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों से खेल में प्रतिस्पर्धा करनी है, तो हर किसी को अपनी फिटनेस पर जोर देना होगा। सायना ने युवाओं से कहा है कि कम एक घंटा शारीरिक गतिविधियों को दें, क्योंकि भारत के भविष्य का निर्माण एक स्वस्थ और ऊर्जावान पीढ़ी ही कर सकती है। उन्होंने खेल संस्कृति को हर नागरिक तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि कि मैराथन केवल दौड़ने का एक आयोजन भर नहीं था, बल्कि यह समाज में व्याप्त कुछ गंभीर मुद्दों के प्रति लोगों को सचेत करने का एक मंच भी था। इस दौरान धावकों ने अपनी ऊर्जा और भागीदारी के माध्यम से जहां एक ओर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया, वहीं दूसरी ओर डिजिटल धोखाधड़ी से सावधान रहने और नशे से दूर रहने का स्पष्ट संदेश भी दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम भी उत्साहवर्धक रहे, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। पुरुषों की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में यश राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 घंटा 9 मिनट 5 सेकंड का समय निकालकर पहला स्थान हासिल किया। उनके बाद एल/नायक शिवनेश सिंह ने 1 घंटा 24 मिनट 1 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और प्रिंस सांगवान ने 1 घंटा 28 मिनट 39 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं महिलाओं की 21 किलोमीटर हाफ मैराथन में मनदीप कौर ने 1 घंटा 39 मिनट 31 सेकंड में दौड़ पूरी कर शीर्ष स्थान हासिल किया। इस वर्ग में पूजा पांडे ने 1 घंटा 48 मिनट 36 सेकंड के साथ दूसरा और अमनप्रीत कौर ने 2 घंटा 8 मिनट 29 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं, 10 किलोमीटर महिला दौड़ में मुस्कान ने 42 मिनट 38 सेकंड का प्रभावशाली समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। सीता ने 43 मिनट 35 सेकंड के साथ दूसरा स्थान और खुशी ने 45 मिनट 53 सेकंड के साथ तीसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।